



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ५]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी २, १९७४ (माघ १३, १८९५)

No. 5]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 2, 1974 (MAGHA 13, 1895)

इस भाग में चिह्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

(PART III—SECTION 1)

उच्च स्थायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

## संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 दिसम्बर 1973

सं. ए० 35017/1/73-प्रशासन-II—मुख्य लेखा परीक्षक, उत्तर रेलवे, बड़ीदा हाउस, नई दिल्ली के कार्यालय के वरिष्ठ लेखा परीक्षक, श्री एल० एस० शर्मा की सेवाएं जो इस समय संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे हैं, 31 दिसम्बर, 1973 अपराह्न से मुख्य लेखा परीक्षक, उत्तर रेलवे बड़ीदा हाउस नई दिल्ली को पुनः सौंपी जा रही हैं।

दिनांक 17 जनवरी 1974

सं. ए० 32013/1/73-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० आर० वर्मा ने जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं. ए० 32013/1/73-प्रशासन-I, दिनांक 5 दिसम्बर, 1973 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था 18 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री बी० आर० वर्मा ने 18 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव

नई दिल्ली 110011, दिनांक 18 जनवरी 1974

सं. ए० 32016/3/73-प्रशासन-II—श्री बी० आर० गुप्ता स्थायी सहायक अधीक्षक (हालरिथ) को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 3 दिसम्बर, 1973 द्वारा अधीक्षक (हालरिथ) के पद पर 28 दिसम्बर, 1973 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, श्री एम० एल० धवन, अधीक्षक (हालरिथ) को अवकाश प्रदान किए जाने के कारण उनके स्थान पर 21 मार्च 1974 तक, प्रथमा आगामी आवेदन तक, जो भी पहले हो, उसी पद पर कार्य करते रहने की अनुमति दी गई है।

एम० आर० भागवत अवर सचिव,  
कृते सचिव

नई दिल्ली 110011, दिनांक 18 जनवरी 1974

सं. ए० 32013/1/73-प्रशासन-J—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पण्डित ने, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15 नवम्बर, 1973 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 21 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० पण्डित ने 21 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पी० मतकर्तारिया ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/73-प्रशासन-I, दिनांक 13 दिसम्बर, 1973 द्वारा उक्त सेवा ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 24 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० एन० चक्षा ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/73-प्रशासन-I दिनांक 5 दिसम्बर, 1973 द्वारा अवर सचिव तथा उक्त सेवा ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था 3 जनवरी, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री टी० एन० चक्षा ने 3 जनवरी, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 दिसम्बर 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रशासन-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15 सितम्बर, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० विश्वास को, राष्ट्रपति द्वारा 19 अक्टूबर, 1973 से 1 दिसम्बर, 1973 तक 44 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० सुर्देशन को, राष्ट्रपति द्वारा 1 नवम्बर, 1973 से 18 दिसम्बर, 1973 तक 48 दिन की अवधि के लिए अधवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 24 दिसम्बर 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रशासन-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15 दिसम्बर, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास शर्मा की, राष्ट्रपति द्वारा उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में 22 दिसम्बर, 1973 से 8 फरवरी, 1974 तक 49 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए

अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 26 दिसम्बर 1973

सं० ए० 12025(II)/1/73-प्रशासन-III—मंत्रिमंडल मचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) के कार्यालय ज्ञापन सं० 5/26/73-सी० एस० I दिनांक 23 नवम्बर, 1973 के अनुसरण में तथा इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/73-प्रशासन III, दिनांक 15 मार्च, 1973 के आंशिक संशोधन में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग की स्थायी महायक श्रीमती बी० के० मदान को, राष्ट्रपति द्वारा उक्त सेवा के उसी संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में 23 नवम्बर, 1973 से आगामी आदेश तक की अतिरिक्त अवधि के लिए स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० 12025 (II)/1/73-प्रशासन-III—मंत्रिमंडल मचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) के कार्यालय ज्ञापन सं० 5/26/73-सी० एस० I दिनांक 23 नवम्बर, 1973 के अनुसरण में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय मचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० सी० मदान को, 4 दिसम्बर, 1973 से आगामी आदेश तक की अतिरिक्त अवधि के लिए राष्ट्रपति द्वारा उक्त सेवा के उसी संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० 12025 (II)/1/73-प्रशासन-III—मंत्रिमंडल मचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) के कार्यालय ज्ञापन सं० 5/26/73-सी० एस० I दिनांक 23 नवम्बर, 1973 के अनुसरण में तथा इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/73-प्रशासन-III दिनांक 26, दिसम्बर, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० आर० पन्त को, राष्ट्रपति द्वारा उसी सेवा के उसी संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में, आगामी आदेश तक, 2 दिसम्बर, 1973 से अतिरिक्त अवधि के लिए स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 17 जनवरी 1974

सं० ए० 32013/2/73-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री बी० के० लाल को राष्ट्रपति द्वारा 19-12-1973 से 18-3-74 तक (दोनों दिनों सहित) 3 मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अधवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/2/73-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री एन० के० प्रसाद को राष्ट्रपति द्वारा 18-12-73 से 17-3-74 तक (दोनों दिनों सहित) 3 मास की अवधि के लिए अधवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/2/73-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री आर०एस० गोयल को, राष्ट्रपति द्वारा 3-1-1974 से 2-4-1974 तक (दोनों दिनों सहित) 3 मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 19 जनवरी 1974

सं० ए० 32013/2/73-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री एम० एस० प्र० गोयल को, राष्ट्रपति द्वारा 3-1-74 से 2-4-74 तक, (दोनों दिनों सहित) तीन मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत  
अवर सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

मन्त्रीमंडल सचिवालय  
(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी, 1974

सं० 11/6/4/73-प्रशासन 1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारी श्री एम० आर० वाडके को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, बम्बई शाखा में दिनांक 17 दिसम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रति नियुक्ति पर अस्थायी रूप से निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

(गुजराती लाल अग्रवाल)  
प्रशासन अधिकारी (स्था)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना।

नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी, 1974

सं० जे०-6/73-प्रशासन-5—अपने मूल राज्य में प्रत्यावर्तन हो जाने पर हरियाणा राज्य से प्रतिनियुक्त श्री जगराम, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 31-12-1973 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

गुजराती लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी

(प्रशासनिक सुधार )

नई दिल्ली 110001, दिनांक 22 जनवरी, 1974

सं० ए० 32013/4/73 मन्त्रीमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) की दिनांक 15 जनवरी, 1974 की अधिसूचना संख्या 4/40/73-सी० एस० (1) के

अनुसरण में राष्ट्रपति जी कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग (प्रशासनिक सुधार) में इस समय विशेषक के रूप में कार्य कर रहे केन्द्रीय सचिवालय सेवा के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को 27 सितम्बर 1973, पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग (प्रशासनिक सुधार) में अवर सचिव के रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	संबंधित है
1.	श्री टी० आर० आहूजा	मित्राई व विद्युत मंत्रालय
2.	श्री ए० एन० राजेन्द्रन	निर्माण तथा आवास मंत्रालय
3.	श्री मदन लाल मल्होत्रा	वाणिज्य मंत्रालय।

एम० एल० सम्पत्कुमारन्  
अवर सचिव

#### केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी, 1974

सं० 31/5/73-प्रशासन —पेशन प्राप्ति की अवस्था होने पर श्री एन० एम० राय, केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थायी अनुभाग अधिकारी, ने 31 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० झी० दिघे  
अवर सचिव

गृह मंत्रालय

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 जनवरी 1974

सं० ओ०-II-908/73-स्थापना—महानिवेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल निम्नलिखित डाक्टरों को तर्वर्ष रूप में पहले एक वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

क्रम	डाक्टर का नाम	यूनिट	कार्यभार संभालने की तिथि
1.	डाक्टर निमेन चरन मोहन्नी	2 बेस हास्पीटल आवादी—मद्रास	3-10-73 पूर्वाह्न
2.	डा० उमेश चन्द्र नन्दा	27 बटालियन	9-10-73 पूर्वाह्न
3.	डा० रणजीत राजेन्द्र सिंह	39 बटालियन	10-11-73

(1)	(2)	(3)	(4)
4.	डा० श्रीरेण्ड्र नाथ दास	बेस हास्पीटल सी० आर० पी० एफ० नीमच	9-10-73 अपराह्न
5.	डा० रमेश चन्द्र रोट्री	53 बटालियन	10-10-73 अपराह्न
6.	डा० नरेश चन्द्र नायक	48 बटालियन	12-10-73 पूर्वाह्न

दिनांक जनवरी 1974

सं० ओ०-II-905/73-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल निम्नलिखित डाक्टरों को तदर्याँ रूप में पहले एक वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

क्रम	डाक्टर का नाम	यूनिट	कार्यभार संभालने की तिथि
1.	डा० श्री हर्ष माझी	56 बटालियन	8-10-73 पूर्वाह्न
2.	डा० श्रीमती ज्योत्सना रानी स्पेन	2 बेस हास्पीटल सी० आर० पी० एफ० आवदी	10-10-73 पूर्वाह्न

दिनांक जनवरी, 1974

सं० 11-661/71-स्थापना—श्री एल० ए० लूस ने अपने मूल सम्बर्ग राज्य तामिल नाडू में परावर्तन होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर), युप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, आवदी, मद्रास का कार्यभार 1-1-1974 के अपराह्न से छोड़ा।

दिनांक 21 जनवरी, 1974

सं० ओ०-टू०-108/69-एस्टेब०—भारत सरकार की सेवा से निवृत्त होने पर, लेफ्टीनेंट कर्नल टी० डी० राधाकृष्णन, जो कि भारतीय स्थल सेना के एक अधिकारी हैं और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्त पर है, ने कमान्डेन्ट 2 सिगनल बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, के पद का कार्यभार 31-12-73 अपराह्न को छोड़ दिया।

II

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में पुनः नियुक्ति पर लेफ्टीनेंट कर्नल टी० डी० राधाकृष्णन ने कमान्डेन्ट 2 सिगनल बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार 1-1-1974 पूर्वाह्न को सम्भाल लिया।

सं० ओ०-II-126/71-स्थापना—भारत सरकार की सेवा से निवृत्त होने पर, मेजर बी० के० सोबती, जो कि भारतीय स्थल सेना के एक अधिकारी हैं और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्ति पर है, ने सहायक कमान्डेन्ट, 1 सिगनल बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, को पद का कार्यभार 31-12-73 अपराह्न को छोड़ दिया।

II

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में पुनः नियुक्ति पर मेजर बी० के० सोबती ने सहायक कमान्डेन्ट, 1 सिगनल बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार 1-1-74 पूर्वाह्न को सम्भाल लिया।

एस० एम० माथुर  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई घिल्ली-110001, दिनांक 16 जनवरी, 1974

सं० ओ०-टू०-115/73-एस्टेब०—श्री एन० एस० बसेरा ने 33 दिन के सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश पर आने के फलस्वरूप 28 नवम्बर 1973 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के 3 सिगनल बटालियन, रामपुर में सहायक कमान्डेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ा।

सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश की समाप्ति पर श्री एन० एस० बसेरा को 1-1-1974 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त माना जाएगा।

एस० एन० माथुर,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक

कार्यालय महालेखाकार, उड़ीसा, भुवनेश्वर

सं० /—उड़ीसा के महालेखाकार ने इस कार्यालय के स्थानापन्थ रूप से काम करने वाले लेखा अधिकारी श्री सुबोध चन्द्र दाम को दिनांक 1-3-73 से और श्री तमाल नाथ राय को दिनांक 1-3-73 से लेखा अधिकारी के पद पर स्थायी नियुक्त किया है।

जी० सी० श्रीवास्तव,  
उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई घिल्ली, दिनांक 11 जनवरी, 1974

सं० 40011(1)/74/प्रशा०-ए०—रक्षा लेखा महा नियन्त्रक निम्नलिखित स्थायी लेखाकारों को प्रथेक के नाम के

सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से आगामी आदेशपर्यन्त स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

## एफ 2

क्र०	नाम	संगठन जिसमें	तारीख	
सं०	सर्वेषी	सेवारत हैं		
1.	बी० पी० गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना	8-11-73	9. हरबंस लाल कोहली
2.	राम नाथ	रक्षा लेखा संयुक्त नियन्त्रक (निधि), मेरठ	5-11-73	10. पी० एम० शिवर्ह
3.	टी० एस० स्वामीनाथन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) इलाहाबाद	9-11-73	11. एस० पी० पाठक
4.	आर० वैद्यनाथन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) इलाहाबाद	12-11-73	12. एम० एल० सूदन
5.	बी० एस० कोहली	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायुसेना) बेहरादून	13-11-73	13. पी० कृष्णास्वामी
6.	एच० के० गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) इलाहाबाद	5-11-73	14. एस० नरसिंहन
7.	के० एस० अरुणाचलम	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	12-11-73	15. एन० एस० भसीन
8.	ए० एस० भसीन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) इलाहाबाद	24-12-73	रक्षा लेखा नियन्त्रक, इलाहाबाद

दिनांक 16 जनवरी, 1974

सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए०:—बाद्दक्ष निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित सेवा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से पेंशन-स्थापना को अन्तरित किया गया।

क्रम संख्या	रोस्टर सं० सहित नाम	ग्रेड	58 वर्ष की आयु प्राप्त करने की तारीख	तारीख जिससे को अन्तरित होना है	संगठन

## सर्वेषी

1. नन्दलाल सहगल (पी०/254)	स्थायी लेखा अधिकारी	12-12-73 (अपराह्न)	1-1-74	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन), इलाहाबाद
2. अब्दतार सिंह (पी०/476)	स्थायी लेखा अधिकारी	3-11-73 (अपराह्न)	1-12-73	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन), इलाहाबाद
3. बी० आर० श्रीनिवासचारी (ओ०/161)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	17-11-73 (अपराह्न)	1-12-73	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन), इलाहाबाद

2. (i) श्री नन्दलाल सहगल, स्थायी लेखा अधिकारी से सम्बन्धित हस विभाग की अधिसूचना सं० 40011 (2)/73 प्रशा०-ए० दिनांक 1-10-1973 की क्रम संख्या 2 के सामने की प्रविष्टियाँ एसबद्धारा रह की जाती हैं।

(ii) इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011/(2)/73-प्रशा०-ए० दिनांक 7-9-1973 की ऋम सं० 2 और 3 के सामने सर्वेश्वी अवतार मिह स्थायी लेखा अधिकारी और बी० आर० श्रीनिवासाचारी से संबंधित प्रविष्टियाँ, एतद्वारा रह की जाती हैं।

दिनांक 17 जनवरी, 1974

सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए०:—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वान्तर से पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा।

ऋम संख्या	रोस्टर संख्या सहित नाम	ग्रेड	58 वर्ष की आयु प्राप्ति को तारीख	पेशन स्थापना अन्तरिती की तारीख	संगठन
-----------	------------------------	-------	----------------------------------	--------------------------------	-------

सर्वेश्वी

1. मिलखा सिंह (पी०/451)	स्थायी लेखा अधिकारी	1-3-74 (अपराह्न)	1-4-74	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन), द्वालाहाबाद
2. के० एस० उपेन्द्रन (ओ०/261)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	6-3-74 (अपराह्न)	1-4-74	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रेंज), दक्षिण मद्रास।

सं० 40011(2)/73-प्रशा० ए०:—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारी प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वान्तर से पेशन स्थापना को अन्तरित किए गए।

ऋम संख्या	नाम रोस्टर सं० सहित	ग्रेड	58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने की तारीख	तारीख जिससे पेशन स्थापना को अन्तरित हुए	संगठन
-----------	---------------------	-------	---	---	-------

सर्वेश्वी

1. बी० रामन (पी०/141)	स्थायी लेखा अधिकारी	19-12-73 (अपराह्न)	1-1-74	रक्षा लेखा नियन्त्रक पूर्वाह्न (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
2. एस० राजागोपालन-II (पी०/ 155)	स्थायी लेखा अधिकारी	15-12-73 (अपराह्न)	1-1-74	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पूर्वाह्न) (फैक्ट्रीज) कलकत्ता

2. श्री बी० रामन स्थायी लेखा अधिकारी से संबंधित इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011 (2)/73-प्रशा०-ए० दिनांक 30-10-1973 की ऋम सं० 2 एवं श्री एस० राजागोपालन-II स्थायी लेखा अधिकारी से संबंधित इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए० दिनांक 20-9-1973 की ऋम सं० 1 के सामने की प्रविष्टियाँ एतद्वारा रह की जाती हैं।

एस० के० सुन्दरम्,  
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी, 1974

सं० 23011(1)/66 प्रशा०-II—निम्नलिखित परिवीक्षा-धीन अधिकारियों की भारतीय रक्षा लेखा सेवा के समय-मान में प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पुष्टि (स्थायीकरण) की गई है।

ऋम सं०	नाम	पुष्टि की तारीख
--------	-----	-----------------

1. श्री बी० आर० सम्बन्दम्	.	1-4-73
2. श्री एस० एस० कपूर	.	1-4-73

3. श्री डी० गोस्वामी	.	3-5-73
4. श्री ए० सी० पटनायक	.	11-7-73
5. श्रीमती एस० मुख्यर्जी	.	11-7-73
6. कुमारी एस० के० ग्रौलख	.	20-7-73
7. कुमारी नीलकमल अहलुवालिया	.	2-8-73
8. श्री संजीव गोयल	.	11-7-73
9. श्री असोंग मिंगसिंद	.	21-7-73

सी० बी० नागेन्द्र,  
रक्षा लेखा उप महा नियन्त्रक

**भारतीय आर्डनेस फैक्टरियों सेवा  
महानिवेशालय, आर्डनेस फैक्टरियों  
आर्डनेस इक्विपमेन्ट फैक्टरियों प्रुप**

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर, 1973

सं० 10/73/जी०/ओ० हॉफ०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री पी० के० मुस्ताफी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक, दिनांक 19 मितम्बर, 1973 से सेवा निवृत्त हुए।

बी० एम० ननेजा,  
सहायक महानिदेशक

कलकत्ता, दिनांक 15 जनवरी, 1974

सं० 2/74/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न अफसर सुपरवाइजर के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से श्रागामी आदेश तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री निर्मल चन्द्र सेन गुप्ता स्थायी अधीक्षक, 5 नवम्बर, 1973।

2. श्री भूषण विश्वास, स्थायी अधीक्षक, 6 दिसम्बर, 1973।

एम० पी० आर० पिल्लाय  
सहायक महानिदेशक

**निर्माण और आवास मन्त्रालय**

**सम्पदा निवेशालय**

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1974

सं० 193०-प्रशा० “ख”—इस निवेशालय के समसंस्थक अधिसूचना दिनांक 21-11-1973 के प्रनुक्रम में, श्री एम० आर० मजूमदार, हैड कलर्क, सम्पदा प्रबन्धक का कार्यालय, कलकत्ता को स्थानापन्न सम्पदा प्रबन्धक के रूप में कार्य कर रहे श्री वी० एन० चौधरी की जगह स्थानापन्न सम्पदा सहायक प्रबन्धक के रूप में 17 जनवरी 1974 तक कार्य करने रहने की पुनः अनुमति दी गई है।

राम लुभाया अहलूवालिया,  
सम्पदा उप निदेशक (प्रशा०)

**मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी का कार्यालय**

**पूर्ति विभाग**

नई दिल्ली-11, दिनांक 4 जनवरी 1974

सं० ए०-32014/73-74/प्रशासन (समन्वय)/5931-35 मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग, खाद्य एवं कृषि मन्त्रालय तथा पुनर्वास, नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री मोनोहर सरकार अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा) को उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग, मद्रास के कार्यालय में दिनांक 12-12-1973 के पूर्वाह्न में अगले आदेशों तक स्थानापन्न वेतन तथा लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

उनकी पदोन्नति सूनी में उनसे वर्गिठों के दावों तथा अधिकारी से पूर्वाग्रह रहित होगी।

ग्रुणा मायदन,  
उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी

**वित्त मन्त्रालय**

**अर्थ विभाग**

नासिक रोड, दिनांक 14 जनवरी, 1974

सं० 4923/ए०—डा० (श्रीमती) अनुपमा चन्द्रकान्त आवलगांवकर जिनकी मूल नियुक्ति अवर चिकित्सा अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, अस्पताल, नासिक रोड में 20-11-69 से तदर्थ रूप में पहली बार तीन महीने के लिए हुई थी और बाद में अधिसूचना मंख्या 3771/ए० दिनांक 6-11-73 के अनुसार दिनांक 31-12-73 तक के लिए सेवा जारी रखी गयी, आगे इसी तरह 30-6-74 तक काम करनी रहेगी अर्थवा उस समय तक यदि इसके पूर्व ही कथित पद की पूर्ति (केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत) संघ नोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति में कर दी जाए।

विं० ज० जोशी,  
महा प्रबन्धक

**सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय**

**फिल्म प्रभागर**

बम्बई-26, दिनांक 10 जनवरी, 1974

सं० ए०-12025/6/73-मिडवन्डी-1—फिल्म प्रभाग के नियन्त्रक तथा प्रमुख निर्माता ने श्री एम० एन० काने की प्रमुख वितरण अधिकारी फिल्म प्रभाग बम्बई के पद पर नियुक्ति होने के कारण श्री वी० श्रीनिवासन स्थायी विक्रेता फिल्म प्रभाग, बंगलूरु को दिनांक 15 दिसम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न शाखा-प्रबन्धक फिल्म प्रभाग, बम्बई के पद पर नियुक्त किया है।

एम० क० जैन,  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते नियन्त्रक तथा प्रमुख निर्माता

**आकाशशाणी महानिदेशालय**

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी, 1974

सं० 6/52/62-एस० एक—श्री एम० ए० नईम, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशशाणी, हैदराबाद, अधिवाषिकी आयु प्राप्त करने के उपरान्त, दिनांक 31 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न में सेवा-निवृत्त हो गए।

शान्ति लाल,  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर, 1973

सं० 2/26/60-एस०-दो—महानिदेशक, आकाशशाणी, एतद्वारा श्री जी० एन० गोकर्ण, विशिष्ट लेखाकार, केन्द्रीय विशेषज्ञ, एकाकी, बम्बई को 15-12-73 (अपराह्न) से स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी, उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशशाणी, मलाड, बम्बई के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जनवरी, 1974

सं० 2/58/60-एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री वी० कृष्णमूर्ति, लेखाकार को 3-1-1974 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, धारवाह में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 2/25/61-एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री आई० के० असनानी, वरिष्ठ लेखाकार, (तदर्थ), केन्द्रीय विक्रम एकक, आकाशवाणी, बम्बई को 3-1-74 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय विक्रम एकक, आकाशवाणी बम्बई में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 2/42/60-एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एलद्वारा श्री ए० के० चक्रवर्ती वरिष्ठ लेखाकार, केन्द्रीय विक्रम एकक, आकाशवाणी, बम्बई को 21-12-72 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, इलाहाबाद, में स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जनवरी, 1974

सं० 2/34/60-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एलद्वारा श्री आर० पी० रामू वरिष्ठ लेखाकार (तदर्थ) केन्द्रीय विक्रम एकक, बम्बई को 21-12-73 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी पूना में स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

इन्द्र सेन पांची,  
अनुभाग अधिकारी  
कृते महानिदेशक

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी, 1974

सं० 12-22/73-एडमिन-1—श्री वी० अनन्तन का नियुक्त गृह मन्त्रालय में हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 21 नवम्बर, 1973 पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 12-28/73-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री के० एस० पार्थसारथी को 17 दिसम्बर, 1973 पूर्वाह्न से और आगामी अदिशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रशासन अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 17-71/60-एडमिन-1—श्री एस० के० विशिष्ट ने अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति के फलस्वरूप 12 दिसम्बर, 1973 पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी (भण्डार) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 14 जनवरी, 1974

सं० 17-78/72-एडमिन-1—श्री के० के० मित्रा ने सैनिक इन्जीनियरी सेवा में वास्तुक के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप 30 नवम्बर, 1973 अपराह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक वास्तुक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 19 जनवरी 1974

सं० 12-3/73-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चतुर्थ ग्रेड अधिकारी श्री एस० सी० सूद को 30 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से 8 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न तक 9 दिन की अवधि के लिए अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

श्री एस० सी० सूद ने सहायक के पद पर परावर्तित होने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में 8 दिसम्बर, 1973 को अपराह्न में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 12-2/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थाई चतुर्थ ग्रेड अधिकारी श्री एस० पी० भसीन को 3 जनवरी, 1974 अपराह्न से और आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 21 जनवरी 1974

सं० 28-6/73-एडमिन-1—श्री वी० आर० डोहारे ने परिवार नियोजन विभाग में स्थानांतरित होने पर 31 दिसम्बर, 1973 अपराह्न को राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में उप सहायक निदेशक (मूल्यांकन) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल,  
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1974

सं० 20-8/73-एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, बम्बई के स्थानापन्न भण्डार अधीक्षक श्री वी० वी० खाडिलकर को 19 नवम्बर, 1973 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री संगठन में सहायक भण्डार प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

पी० सी० कपूर,  
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1974

सं० 1-141/73-इस्ट-1—डा० पी० एल० नागवाणी ने अपने त्याग पत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 21 सितम्बर, 1973

अपग्रह में केन्द्रीय मण्डल स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

के० एम० पार्थसारथी,  
प्रशासन अधिकारी

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1974

मं० 39-17/72-सी० एन० एम०-1—केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के जी० श्री० ओ० प्रथम ग्रेड अधिकारी डा० डी० एल० कोचर ने 22 दिसम्बर, 1973 को अपग्रह में अपने स्थानांतरण पर गान्धीय मंत्रालय रोग संस्थान, दिल्ली के गान्धीय फाइलरिया नियंत्रण कार्यक्रम में उप महायक निदेशक के पद का कार्यभार त्याग दिया और उसी दिन अपग्रह में केन्द्रीय मण्डल स्वास्थ्य योजना के अधीन चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

जी० पंचापकेशन  
उप-निदेशक (प्र०)

### कृषि मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

विषयन एवं नियोजन निवेशालय,  
प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक दिसम्बर 1973

मं० एफ० 1/171/71-प्रशा०-फरी०-1—निम्नलिखित अधिकारियों को विषयन एवं नियोजन निवेशालय में उप-वरिष्ठ विषयन अधिकारी (वर्ग प्रथम) के मूलतः स्थाई पदों पर तारीख 1 जनवरी, 1967 से नियुक्त किया जाता है:—

1. श्री टी० के० विष्वनाथन
2. श्री पी० एल० मुकर्जी

एन० के० मुरलीधर राव,  
भारत मण्डल के कृषि विषयन मंत्रालय

### दिल्ली दुर्घट योजना

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1974

मं० 2-14/73-स्था०-1—भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा मंत्रा में उनकी पदोन्नति तथा वरिष्ठ उप मुख्य लेखा-परीक्षक (आयुध-निर्माणी), कानपुर के कार्यालय में प्रतिनियुक्त पर उप मुख्य लेखा परीक्षक के पद पर उनकी तैनाती हो जाने के परिणाम-स्वरूप दिल्ली दुर्घट योजना के आनंदिक लेखा-परीक्षा अधिकारी श्री वी० के० मुखर्जी ने 1 जनवरी, 1974 (अपग्रह) में दिल्ली दुर्घट योजना के आनंदिक लेखा-परीक्षा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

हरिहरचन्द्र  
प्रशासन अधिकारी  
कृते अध्यक्ष

### भारतीय प्राणिविज्ञान सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक 8 जनवरी 1974

मं० एफ०-92-45-73-स्था०—श्री एम० एम० शिर्षो-दिया वरिष्ठ प्राणि वैज्ञानिक महायक को भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग कलकत्ता के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर, आगामी आदेशों तक, 11 दिसम्बर 1973 (पूर्वाह्न) में महायक प्राणि वैज्ञानिक के स्थान में नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 11 जनवरी, 1974

मं० एफ० 70-2-71-स्था०—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्थान-अनुसार भारतीय प्राणि विज्ञान—सर्वेक्षण विभाग के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों की तदर्थ नियमित्या पदोन्नति के आधार पर महायक प्राणि वैज्ञानिक के पद पर आगामी आदेशों तक, दिनांक 1 नवम्बर, 1973 (1-11-1973) से नियमित की जा रही है।

1. श्री टी० एन० एन० मूर्ति
2. श्री आर० एन० भार्गव
3. श्री बी० सी० साहा
4. श्री के० सी० बासू
5. श्री महेश चन्द्रा
6. श्री आर० के० घोष (I)
7. श्री समीर मेन
8. डा० पी० के० मैती

मं० एफ० 70-2-71-स्था०—निम्नलिखित वरिष्ठ प्राणि वैज्ञानिक महायकों को, भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग के अन्तर्गत, महायक प्राणि वैज्ञानिक के पद पर मामने नियमित दिनांकों से अस्थाई आधार पर, आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जा रहा है:—

नाम	नियुक्ति-तिथि
1. श्री एच० पी० मुकर्जी	27 दिसम्बर, 1973 (पूर्वाह्न)
2. श्री एम० बी० राय	28 दिसम्बर, 1973 (पूर्वाह्न)
3. श्री डी० पी० भट्टाचार्जी	27 दिसम्बर, 1973 (पूर्वाह्न)
4. श्री आर० के० घोष (II)	27 दिसम्बर, 1973 (पूर्वाह्न)

डा० एम० खंडे०  
उप-निदेशक प्रभारी

### दिल्ली चिडियाघर

नई दिल्ली-3, दिनांक 10 जनवरी 1974

मं० 2-60/73-डी० जैड० पी०—श्री मुन्दर लाल, मध्याई कार्यालय अधीक्षक, दिल्ली चिडियाघर को इसी कार्यालय में 2

जनवरी, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर अस्थाई रूप में प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

ना० सु० अड्डकौली  
निदेशक

**भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
(कार्मिक प्रभाग)**

बम्बई-85, दिनांक 30 दिसम्बर 1973

सं० पी० ए० /81(85)/73-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री मंकरगमन कृष्णन, एक स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक—बी को स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक के लिए 1 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 जनवरी 1974

सं० पी० ए० /81(113)/73-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री विष्णु पुरुषोत्तम देशमुख स्थानापन्न ड्राफ्टमैन 'सी', को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 अगस्त 1973 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेश तक के लिए वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए० /81(113)/73-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री अमिन नंदकिशोर वैद्य, एक वैज्ञानिक सहायक—बी और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक—सी, को इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप में 1 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी०, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जनवरी 1974

सं० पी० ए० /81(99)/73-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री धरमपाल सिंह भला, एक स्थाई ड्राफ्टमैन 'सी' को इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से 1 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जनवरी 1974

सं० पी० ए० /81(107)/73-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री कालि नटराजन, एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक—बी और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक—सी को इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप में 1 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जनवरी 1974

सं० पी० ए० /75(8)/73-आर०-4—नियंत्रण भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र यहां के श्री माथेराम चेरिल कूरियन चाको एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और अस्थाई क्रय सहायक, को इसी अनुसंधान केन्द्र 1973 के अपराह्न से, आगामी

आदेश तक के लिए स्थानापन्न महायक क्रय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उम्मीकृष्णन,  
उप-स्थापना अधिकारी-(भ)

**केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला**

नई दिल्ली-12, दिनांक 21 दिसम्बर 1973

सं० न० 22/1973—कुमारी ए० प० सारोजा रसायन सहायक ग्रेड-1 सीमा शूलक प्रयोगशाला मदास को दिनांक 12 दिसम्बर 1973 (प०) में आगामी आदेशों के जारी होने तक केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, दिल्ली-12 में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनिल) रूप में नियुक्त किया गया है।

व० सा० रामनाथन,  
मुख्य रसायनज, केन्द्रीय राजस्व

**बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय**

देहरादून, दिनांक 16 जनवरी 1974

सं० 16/188/73-स्था०-1—अध्यक्ष बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री ए० प० मिर्मादिया को बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में सहायक कुल मन्त्रिय के स्थाई पद पर दिनांक 5 अक्टूबर, 1968 से सहर्ष संपुष्ट करते हैं।

व० शि० बन्द्रे,  
कुल मन्त्रिय

**इस्पात और खान मन्त्रालय**

**खान विभाग**

**भारतीय खनि विभाग**

नागपुर, दिनांक 14 जनवरी 1974

सं० ए०/9012(64)/73-सि० ए०—श्री डी० राम प्रबर तकनीकी सहायक (सांख्यिकीय) को दि० 28-11-73 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खनि विभाग में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में खनिज अधिकारी (मालिकीयकी) के पद पर पदोन्नति प्रदान की जाती है।

ए० के० राघवाचारी  
प्रबर प्रशासन अधिकारी  
कूत्रे नियंत्रक

**औद्योगिक विकास मन्त्रालय**

**कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)**

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1973

सं० ए०-19018/99/73-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग सेवा संस्थान श्रीनगर के लघु उद्योग संबंधन अधिकारी श्री काका गम पंडित को शाखा संस्थान सोलन (लघु उद्योग सेवा संस्थान, लधियाना के अधीन) में तदर्थ

आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-2) नियुक्त करते हैं। उन्होंने सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार 22 दिसम्बर, 1973 (पूर्वाह्नि) को संभाला।

के० बी० नारायणन,  
उप-निदेशक, (प्रशासन)

कार्यालय सहायक निदेशक नागर विमानन  
नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1974

स० ए० 12025/4/73-ई० मी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्थेशन
1.	श्री ए० आर० राघवेन्द्र राम	13-7-73 (पूर्वाह्नि)	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
2.	श्री के० ए० कृष्णमूर्ति	12-11-73 (पूर्वाह्नि)	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।
3.	श्री ए० के० माहेश्वरी	29-9-73 (अपराह्नि)	वैमानिक संचार स्टेशन, वर्मई।
स्वामीनाथन एकाम्बरम उप-निदेशक (प्रशासन)			

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1974

स० ए० 32013/1/73-ई० मी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्थेशन
1.	श्री डी० सी० मेहता	22-11-73 (पूर्वाह्नि)	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, दलाहालबाद
2.	श्री बी० के० वाबू	19-11-73 (पूर्वाह्नि)	रेडियो निर्माण एवं विकास यूनिट नई दिल्ली
ह० अपठनीय निदेशक (प्रशासन)			

नौवहन और परिवहन सन्कालय  
तूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना  
तूतीकोरिन-4, दिनांक 14 दिसम्बर 1974

स० ए॒-22013/1-73 प्रशासन 5601- दिनांक 14-12-73-  
तूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना के मिलियल अभिस्टेट सर्जन श्री  
ए० राधाकृष्णन ने मिलियल अभिस्टेट सर्जन के पद से त्यागपत्र दे  
दिया है। उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया है और उन्हें 3  
दिसम्बर, 1973 के पूर्वाह्नि से अपने कार्यभार से मुक्त कर दिया  
गया है।

डी० आई० पाल,  
मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासक

### केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (विद्युत स्कन्ध)

नई दिल्ली-22, दिनांक 14 जनवरी 1974

स० 6/1/73-प्रशासन-दो (वि० स्क०)-ग्रंथ 2—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा निम्नलिखित स्नातक अभियन्ताओं को, प्रत्येक के सामने दी गई तिथियों से, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-दो) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री बी० भास्कर राव	11-12-73 (पूर्वाह्नि)
2. श्री ओ० पी० अरोड़ा	18-12-73 (पूर्वाह्नि)

ज्ञान चन्द,  
अनुभाग अधिकारी

### (जल स्कन्ध)

नई दिल्ली-22, दिनांक 15 जनवरी 1974

स० 19012/444/73-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री राम रत्न शर्मा को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर स्थानापन्थ होने के लिए पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। उन्हें 23-10-73 (पूर्वाह्नि) में आगामी आदेश होने तक तदर्थ रूप में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में नियुक्त होने पर पर्यवेक्षक के स्वप्न में अपनी ग्रेड बेतन तथा 10% भत्ता प्राप्त करने का अधिकार होगा।

श्री रामरत्न शर्मा ने उपरोक्त तारीख तथा समय में बागलीहर उप प्रभाग संख्या-2-बटोट बरसर अन्वेषण प्रभाग, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग, किशनबाद के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया है।

स० 19012/439/73-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री ए० नागराजन को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता/सहायक अनुसंधान अधिकारी(इंजीनियरी)के पद पर स्थानापन्थ होने के लिए पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। उन्हें विनांक

13-11-73 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक अंतिरिक्त महायक निदेशक/महायक अभियंता/महायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियर) के पद पर नियुक्त होने पर पर्यवेक्षक के ग्रेड बेतन तथा 10% भत्ता पाने का अधिकार होगा।

श्री नागराजन ने दिनांक 13-11-73 के अपराह्न से श्री एल० पन्नामला, महायक कार्यकारी अभियंता, मिराज गेंजिंग उप प्रभाग, मिराज, जो अपने नियमित कार्य के अंतिरिक्त शोलापुर गेंजिंग उप प्रभाग का कार्य भी कर रहे थे, में शोलापुर गेंजिंग उप प्रभाग, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग, शोलापुर में सहायक अभियंता का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 16 जनवरी, 1974

सं० क-32012/6/70-प्रशासन-5—इस आयोग की अधिसूचना संख्या क-32012/6/70-प्रशासन-5, दिनांक 19-11-73 के क्रम से अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एन्टद्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान-शाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियर) के पदक्रम में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपये के बेतनमान में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से आगामी तीन मास की अवधि के लिए अधवा जब तक ये पद संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्तियों/अनुसंधान अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में पदोन्नति अधिकारियों के परावर्तन द्वारा नियमित रूप में भरे नहीं जाते हैं, जो भी पूर्व हों। पूर्णत : अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त बताते हैं :—

1. श्री श्री एल० बी० भिंडे	12-1-74
2. श्री के० एन० अप्पुकुट्टन	10-1-74
3. श्री एम० एन० मोने	10-1-74
4. श्री जे० बी० शालिगराम	10-1-74
5. श्री एम० एस० शिटोले	10-1-74
6. श्री मतीर्थ गुहा	10-1-74
के० पी० बी० मोनन, अवर मन्चिव, कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विं आयोग	

#### उत्तर पूर्वी परिषद

गिलाग, दिनांक 20 नवम्बर 1973

सं० एन० ई० २१६/७३—महा प्रबन्धक, उत्तर पूर्वी सीमान्त रेलवे, पांडु (मालोगांव) द्वारा श्री ए० के० चौप, उप सुध्य वाणिज्य अधीक्षक, उत्तर पूर्वी सीमान्त रेलवे मालोगांव, की सेवाएँ प्रतिनियुक्ति के आधार पर, उत्तर पूर्वी परिषद को सौंपने पर उन्हे, दिनांक 10-11-73 से 13-11-73 तक का ज्वाइनिंग ट्राईम का लाभ उठाने के बाद, दिनांक 14-11-73 (पूर्वांक) में रु० 1300-60-1600 प्रतिमास के बेतन-मान और समय-समय पर स्वीकार्य अन्य भत्तों पर, पूर्वोत्तर परिषद सचिवालय में उप-निदेशक (रेलवे) के पद पर नियुक्त किया जाना है।

2. उक्त अधिकारी या तो प्रतिनियुक्ति वाले पद के केन्द्रीय बेतन-मान में (जैसा कि सामान्य नियमों के अधीन निर्धारित होगा) देतने ले सकें, और अपने मूल विभाग के विद्यमान बेतन-

मान में, ग्रेड-वेतन का 20 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति (इयूटी) भत्ता और नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य अन्य भत्तों महित, बेतन ले सकेंगे प्रतिनियुक्ति की शने विन मनालय (व्यय विभाग) के दिनांक 7-12-1962 के कार्यालय जापन म० 1(6)-ई०-4(क)/62 के अनुलग्नक में दी गई प्रतिनियुक्ति की मानक शर्तों के द्वारा विनियमित होगी। किन्तु बेतन आंग प्रतिनियुक्ति (इयूटी) भत्ता, प्रतिनियुक्ति वाले पद के अधिकारी बेतन-मान में अधिक नहीं हो सकेंगे। जिस विकल्प को वे एक बार चुन लेंगे उसे अंतिम माना जाएगा।

प्रतिनियुक्ति शुरू में दिनांक 14-11-73 (पूर्वांक) से एक वर्ष के लिए होगी।

दि० कु० भट्टाचार्य,

मन्चिव,

उत्तर पूर्वी परिषद्, गिलाग

#### पूर्व रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 28 दिसम्बर 1973

सं० ई० २४८/गजट/आई० आर० टी० एम०/जे० एम०—श्री डी० टोष्टो, महायक वाणिज्य अधिकारी, कोयलाघाट को डम रेलवे में भारतीय रेल यातायात सेवा के अवर बेतन संवर्ग में दिनांक 30-11-73 से स्थायी किया जाता है।

बी० पी० साहूनी  
महाप्रबन्धक

#### पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

##### महाप्रबन्धक का कार्यालय

पांडु, दिनांक 11 जनवरी 1974

सं० ई० ५५/३/९०(०)—श्री ब्री० ब्री० सेनगुप्त, प्रब्र कार्मिक अधिकारी/बेतन आयोग को दिनांक 9-2-73 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थायी किया जाता है।

एम० आर० रेहु  
महाप्रबन्धक

#### आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-२०, दिनांक 14 जनवरी 1974

सं० एफ० ४८-रज० (एटी०)/७३—श्री रविशंकर श्रीवास्तव, सीनियर अधीक्षक, आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिनको महायक रजिस्ट्रार, आयकर अपीलीय अधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में इस कार्यालय की अधिसूचना स० एफ० ४८-एटी० (एटी०)/७३ दिनांक 12-१-१९७३ द्वारा दिनांक 1-१०-१९७३ में ३१-१२-१९७३ अपराह्न तक तीन माह की कालावधि तक कार्य करने के लिए अनुमति दी गई थी, उनको दिनांक 1-१-१९७४ में ३०-१-१९७४ अपराह्न तक छः माह की अग्रन रकालावधि के लिए वा इस पद पर संघ लोक सेवा आयोग में चुने हुए अधिकारी को नियमित रूप में नियुक्ति हो जाए, जो भी अग्रन रहो तब तक

आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करते रहने के लिए अनुमति दी जाती है।

हरनाम शंकर अध्यक्ष,  
आयकर अपीलीय अधिकरण

**कार्यालय समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क**

भृत्य प्रदेश एवं विदर्भ, नागपुर

नागपुर, दिनांक 9 जनवरी 1974

सं० 7/74—श्री जेड० खाजा, जो समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कार्यालय, नागपुर में स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-२, के पद पर नियुक्त हैं, इस समाहर्ता क्षेत्र में श्री के० जी० पाठक, स्थायी अधीक्षक श्रेणी-२ के सेवा मुक्त होने के परिणामस्वरूप हुई रिक्ती में, दिनांक 5 जुलाई 1972 से अधीक्षक श्रेणी-२ के वर्ग में स्थायी बिए जाते हैं।

आर० एन० शुक्ला,  
समाहर्ता

**कार्यालय सीमाशुल्क समाहर्ता, बम्बई**

बम्बई, दिनांक 28 दिसम्बर 1973

सं० 24—श्री अशोक कुमार चौधरी को बम्बई सीमाशुल्क भवन में मूल्य निरूपक के पद पर दिनांक 15-12-1973 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रामचन्द्रन,  
सीमाशुल्क समाहर्ता, बम्बई

**केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता कानपुर**

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1974

सं० 7/74—श्री कृष्ण किशोर अग्रवाल द्वारा अपने प्रशिक्षण की अवधि पूरी करने के उपरान्त और प्रथम श्रेणी के अधीक्षक के पद पर नियुक्त होने के कारण उन्होंने प्रथम श्रेणी के अधीक्षक (प्राविधिक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क डिवीजन गाजियाबाद का पदभार दिनांक 19-11-73 पूर्वाह्न को ग्रहण करके श्री हरी किशन सिंह भण्डारी अधीक्षक को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

ज० दत्ता  
समाहर्ता

**मैसूर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता-कार्यालय, बंगलौर**

बंगलौर, दिनांक 24 नवम्बर 1973

सं० 8/73—श्री सी० वी० पाटिल, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क, श्रेणी II, एम० ओ० आर० VII, बंगलौर, अधिवायिक की आयु प्राप्त करने पर, 22-10-1973 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

आर० वी० सिन्हा,  
समाहर्ता

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स इंदर्स बेनोफिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में:—

अहमदाबाद, दिनांक 11 मितम्बर 1973

सं० 560/1575—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 के उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स दी भाग्योदय आयर्न एण्ड ब्रास वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

है कि मैसर्स इंदर्स बेनोफिट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दी भाग्योदय आयर्न एण्ड ब्रास वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में:—

अहमदाबाद, दिनांक 13 मितम्बर 1973

सं० 560/507—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स दी भाग्योदय आयर्न एण्ड ब्रास वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स एच० जे० परोख इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में:—

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1973

सं०/560/1209—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स एच० जे० परोख इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दोशी इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 1973

सं०/560/1315—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स दोशी इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ज० गो० गाथा,  
कम्पनियों का रजिस्टर, गुजरात

कम्पनी अधिनियम 1956 श्री बेंकट दुर्ग एण्टरप्राइजिज लिमिटेड के विषय में:—

हैदराबाद दिनांक 8 जनवरी 1974

सं० 1270 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर श्री बेंकट दुर्ग एण्टरप्राइजिज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओम प्रकाश जैन,  
कम्पनियों का रजिस्टर  
आधा प्रदेश, हैदराबाद

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी, 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/701/1454/73-74—यतः मुझे गो० न० साधु सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 2 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मूल्य सं० 20 हिस्मा सं० 2 अंश है जो, देवनगर गाँव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेसकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-1973 को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि व्यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

ओं यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गजानन हरी केलकर श्री नीलकण्ठ हरी केलकर (अन्तरक)
2. मेसर्स श्रेयस आर्ट्स प्रिट्स प्राइ लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिकी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि या मैदान का वह नमाम टुकड़ा, पैत्रक सम्पत्ति एवं भवन के साथ में एक माकान एवं उस पर स्थित कुआँ जो कि वृहत्तर बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उपजिला बान्द्रा के भूतपूर्व माऊथ सालसेट तालुका देवनगर ग्राम में स्थित है जो कि सड़क चौड़ी करने में जाने वाले क्षेत्र सहित माप में करीब 2026 वर्गगज यानि कि 1694 वर्गमीटर के समकक्ष (5 कम अयवा ज्यादा है तथा सर्वेक्षण क्र० 20 (अंश), एवं हिस्मा क्र० 2 (अंश) उक्त सर्वेक्षण क्र० 20 का प्लाट क्र० 2 धारण किए हुए हैं एवं उस पर लाल रंग की रेखाओं में घिरा हुआ है :—अर्थात्

पूर्व या ओर :—टाटा इंमोरिंगिक मेन्टर की जायदाद से पश्चिम में या ओर :—गोवण्डीस्ट्रेन रोड से दक्षिण में या ओर :—टाटा इंमोरिंगिक मेन्टर की जायदाद से उत्तर में या ओर :—विटामिन एण्ड फार्मसियुलिंग कार्पोरेशन (इंडिया) लिमिटेड की जायदाद में तथा माथ में मंलग्न नक्शे पर रेखांकित किया गया है एवं उस पर लाल रंग की रेखाओं में घिरा हुआ दिशाया गया है।

गो० न० साधु  
मध्यम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))  
अर्जन रेज 2 ) बम्बई।

तारीख : 29 जनवरी, 1974  
मोहर :

प्रत्यय आई० टी० ए० प० प०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हुबली का आयलिय

मेन्ट्राणी बिल्डिंग विद्या नगर, हुबली-580021,

हुबली दिनांक 30 जनवरी, 1974

सं० 57/73-74/ए० ए० मी० क्य०—यतः मुझे आर० पार्थमार्थी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, हुबली आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मिं० सं० न० 404 और 405/1 है जो कि वार्ड न० 1, केशवपुर, हुबली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली में 6-8-1973 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अधिक के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० वी० नीली, अड्डोकेट, बारदान गल्ली, हुबली। (अन्तरक)

2. (1) मेमर्स प्रदीप ब्रदर्स काटन मर्चेन्ट्स पृष्ठ  
कमीशन एंजेन्ट्स, वेस्ट पैटेंट प्रेस कम्पाउन्ड,  
स्टेशन रोड हुबली अपने पार्टनरों के जरिए।

(2) श्री सिद्धपा होनकेरापा (3) श्री प्रकाश मिहपा  
मपारे (4) श्री मनीष चन्द्र मिहपा मपारे (5) कुमार  
प्रदीप मिहपा मपारे अल्पवयी मंगदणदार और पिता  
श्री मिहपा ए० ए० मपारे केयर आफ मेमर्स प्रदीप  
ब्रदर्स, काटन मर्चेन्ट्स पृष्ठ कमीशन एंजेन्ट्स, वेस्ट  
पैटेंट प्रेस कम्पाउन्ड, स्टेशन रोड हुबली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैश के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

वार्ड न० 1, हुबली शहर, केशवपुर में सी० ए० न० 404 और 405/1 में एक प्लाट, एक पुराने बिल्डिंग के माथ स्थित है।

**सीमाएँ** इस प्रकार हैः—

पूरब में :—सी० टी० ए० न० 365/4ए०, 371/1 और 378/5।

पश्चिम में :—म्यूनिसिपिल रास्ता और ठाकुर के बंगला/सी० टी० ए० न० 405/2।

उत्तर में : फातिमा हैस्कूल।

दक्षिण में :—सी० टी० ए० न० 394ए०/394बी०/406/1, 406/2 और 403।

(आर० पार्थमार्थी)

मेमर्स प्रदीप ब्रदर्स

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हुबली

तारीख : 30-1-1974

मोहर :

## प्रस्तुप आई०टी० पन०गम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हुबली-580021

हुबली, दिनांक 30 जनवरी 1974

निदेश सं० 59/73-74/एच० क्य०—यन॑, मुख्य आर० पार्थसारथी सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हुबली अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मर्वे नं० 125/1-ए० है, जो मुरनाल गाँव, बागलकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बागलकोट में 5-12-1973 के दिन भारतीय गजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच नय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और पतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के अन्दर में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण में द्वारा अभिनिखित किए गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

- (i) श्री डॉगरीसाब उनालसाब वालीकार,
- मुरनाल के वासी, बागलकोट तालूक, बिजापुर जिला।

(अंतरक)

2. (1) श्री॒गम० वी० हल्का० मुरनाल

(2) श्री॒वी० जी० गुप्ता०, टेलर, बागलकोट।

(3) श्री॒वी० वी० शिंगाड०, टेलर, बागलकोट।

(4) श्री॒एन० जे० अवोर०, टेलर, बागलकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आदेष, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के गजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वांधी व्यक्तियों पर सूचना की नामेल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमान दोनों हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिताधीरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना वे: उक्त में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों को सुनकाई के लिए नागीख और स्थान नियन्त किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैश के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकारी होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बिजापुर जिला, बागलकोट तालूक के, मुरनाल गाँव के रि० सर्वे नं० 125/1-ए० में २। एकड़ मापन का विन॑ शेतकी जमीन, बागलकोट-बेलगांव रोड पर स्थित है, जिसमें से एक भाग ५५' × ७०' में ६०' × १२०' क्षेत्र का अलग अलग सौँझों के ४२ प्लाटों में विभाग किया गया है।

आर० पार्थसारथी

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हुबली

तारीख: 30-1-1974।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० प.न० ए०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज

हुबली-580021, दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश मं० 58/73-74/ए० एक्य० यन०: मुझे आर० पार्थसारथी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज हुबली आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है और जिसकी भी० ए० न० 122/36  
है, जो वार्ड न० III, न्यू काटन माकट, हुबली में स्थित है  
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है)  
के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबली में भारतीय  
से कम रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
10/8/1973 के दिन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

3-436GI[73]

(1) श्री वीरगमणा अंदानेप्पा बल्लोली, मंगलवार पेठ,  
हुबली।  
(2) श्री गुरुप्पा अंदानेप्पा बल्लोली, मंगलवार पेठ,  
हुबली।

2. श्री शंकरप्पा निगंपा गंजीगढ़ी,  
पोस्ट आफीम : कबनूर, नालूका शिर्गांव, धारवाड़  
जिला।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन्त्रित किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

765. 5 चदर यार्ड मापन का एक प्लाट, एक छोटा सा बिल्डिंग  
के साथ, हुबली गढ़वा, वार्ड न० III, सी० ए० न० 122/36,  
न्यू काटन माकेट में एक कोने में स्थित है।

आर० पार्थसारथी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हुबली

तारीख : 30-1-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० पन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269 घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज,—।

अहमदाबाद, दिनांक 24 जनवरी 1974

निर्देश सं० प०मी०क्य० 23-I-11/16-6/73-74—यतः,  
 मुझे कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं०  
 606/20/ए०-2 है, जो कालेजवाडी शेरी नं० 2/8 राजकोट  
 में स्थित है (और इससे उगाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण  
 रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में  
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन 11-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
 उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्री-  
 कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
 अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
 रितियों) के बीच तथ पाया गया कि ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल  
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
 से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करके ने  
 के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
 के लिए सुकर बनाना; और/या  
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
 नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 के लिए सुकर बनाना।;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
 के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,  
 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्व: श्री रस्तमजी नवरोजनी खानसाहेब के कानूनी  
 वारिम :—  
 (1) श्रीमती शहेलवेन रस्तमजी खानसाहेब,  
 (2) श्रीमती फेनी केकी दानवाला  
 (3) श्रीमती लीला रमी मीस्ती  
 (4) श्रीमती गुलबुशर वाटलीवाला  
 (5) श्रीमती जुलु नेवील वाडीया

(6) श्री फेजर रस्तमजी खानसाहेब  
 (7) श्री मवर रस्तमजी खानसाहेब  
 (8) कुमारी देवी रस्तमजी खानसाहेब  
 (9) श्री विंगफ रस्तमजी खानसाहेब  
 2/8, कालेजवाडी, राजकोट। (अन्तरक)  
 (2) श्री विठ्ठल दाम लालजी भाई मानी  
 श्री जगजीवन लालजी भाई मानी  
 म्यूनिसिपल कालोनी, शेरी नं० 6, पोरबंदर। (अन्तरिती)

(3) (1) श्री बावनजी वेलजी पटेल  
 (2) श्री गढ़वी कालागम,  
 (3) श्री घनश्याम माधु भाई  
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
 एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
 तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
 समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
 व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
 में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
 के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आशेषों, यदि कोई  
 हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और  
 उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेष किया है तथा  
 सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
 व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेषों  
 की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
 अध्याय 20-क में यथाप्रिभापित हैं, वही  
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मकान जो 405-8-0 वर्ग गज भूमि पर बना हुआ है,  
 और जिसका सर्वे नं० 606/20/ए०-2 है, और जो कालेज वाडीशेरी  
 नं० 2/8 राजकोट में स्थित है, जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

उत्तर: खुनी जगह

दक्षिण : श्री शान्तीलाल

गुलाबगाय मंकोडी की जायदाद

पूर्व: कालेजवाडी शेरी नं० 8

पश्चिम: सड़क।

(ज० कथूरिया)

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 24 जनवरी 1974—I अर्जन रेंज, अहमदाबाद  
 मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 जनवरी, 1974

निदेश मं० एफ० जे० के०/९७०/७३-७४—यतः, मुझे जी० पी०  
सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में  
अधिक है और जिसकी मं० भूमि है जो अरनीवाला, गोख सुभान में  
स्थित है (और इसमें उपापद्ध अगुमूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिलका में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के  
लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
के अन्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण भेजे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री घनशाम दास, मुख्तियारे आम

1. श्री टैंहला राम पुत्र श्री मोहरी राम  
निवासी गांव अरनीवाला, गोख सुभान,  
तह० फाजिलका

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाप चन्द्र पुत्र श्री गोकल चन्द्र

(2) श्री भगवान दाम पुत्र श्री दिवान चन्द्र  
निवासी, गाव अरनीवाला, गोख सुभान,  
तह० फाजिलका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अन्याय 20-के यथापरिमाणित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

### अप्रसूची

भूमि जो गांव अरनीवाला, गोख सुभान तह० फाजिलका,  
(जायदाद जिसका रजिस्ट्र डील नं० 1450, अगस्त 1973  
को रजिस्ट्रिंग अफसर फाजिलका ने किया )

तारीख: 30-1-1974

मोहर:

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़ 156, मैक्टर 9-बी  
चण्डीगढ़, दिनांक 30 जनवरी, 1974

निदेश सं० बी०टी०ए०/1401/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० विलिंग नं० 2-बी० है, जो बाठिड़ा, मिविल लाइन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाठिड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सतम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनेश के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री नछत्तर सिंह, गैडबोकेट पुत्र श्री हरदम सिंह, मड़ी फूल, जिला बाठिड़ा। (अन्तरक)
- (2) 1 श्री मनोहर सिंह पुत्र श्री अजमेर सिंह,  
2 श्री सुरद्वं पाल सिंह पुत्र श्री मनोहर सिंह,  
रिहेश, 2-बी०, मिविल लाइन, बाठिड़ा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्मा रिहायणी विलिंग नं० 2-बी०, मिविल लाइन, बाठिड़ा।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 30-1-1974  
माहर :

प्राप्ति आई० ई० ए० न० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज

चण्डीगढ़ 156, सैकटर 9-वी

चण्डीगढ़, दिनांक 30 जनवरी, 1974

निर्देश मं० श्री० टी० ए०/1402/73-74— यतः, मुझे, श्री जी० पी० मिह॒ सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० विलिंग नं० 2-बी० है, जो बाठिड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाठिड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नष्टतर मिह॒ वकील,  
मड़ी कूल, जिला बाठिड़ा। (अन्तरक)

(2) श्री केहर मिह॒ पुत्र श्री बन्ता मिह॒  
श्रीमती जगदीश कार पत्नी श्री बलदेव मिह॒

मारफन श्री मनोहर मिह॒, विलिंग नं० 2-बी०,  
सिविल लाइन्ज, बाठिड़ा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाञ्चित सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन्त किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा रिहायशी मकान नं० 2-बी०, सिविल लाइन्ज, बाठिड़ा।

(जी० पी० मिह॒)  
सधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख 30-1-74।

भोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,  
चण्डीगढ़ 156, सैकटर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 30 जनवरी, 1974

सं० बी० टी० ए०/1404/73-74—यतः मुझे जी० पी० मिह गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सम्भम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है जो गुनियाना रोड़, गनेशा बस्ती भट्ठिंडा में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भट्ठिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मितम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री वचना राम }  
(2) श्री भगत राम } पुत्र श्री रोतक राम (अन्तरक)

निवासी ग्राम तलबंडी साबू जिला भट्ठिंडा।

- (2) 1. श्री मोहन लाल पुत्र श्री नथू राम
2. श्रीमती मरला रानी पत्नी श्री बचन दाम
3. श्रीमती प्रकाशवर्ती पत्नी श्री सोम नाथ (अन्तरिती)
4. श्रीमती इन्द्रिया रानी पत्नी श्री देव राज द्वारा मैं० प्रशोन्नम टी स्टोर, मट्टा बाजार, भट्ठिंडा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के गजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति का, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के मम्य सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :-**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का भाग 554 वर्ग गज जो लुधियाना रोड़ गनेशा बस्ती भट्ठिंडा में स्थित है।

जायदाद का रजिस्ट्री डी० नं० 4120, अक्तूबर 1973 को सब-रजिस्ट्रार भट्ठिंडा ने किया है।

जी० पी० मिह,  
सम्भम प्राधिकारी

दिनांक 30-1-74      सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मांहर अर्जन रेज, चण्डीगढ़

प्रस्तुप आई० टी० पन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,  
चण्डीगढ़, 156 मेक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 30 जनवरी, 1974

मं० बी० टी० प०/1407/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज चण्डीगढ़। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० प्लाट आफ नैण्ड पावर हाउस रोड़, है जो बाठिड़ा में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भाठिड़ा, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-9-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में किसी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिनियमित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात्:—

- (1) श्री राम जी दाम पुत्र श्री काका राम
2. श्री जगत राम पुत्र श्री हरनाम दास, कोट कपूरा।
3. श्री राम निवास पुत्र श्री मंगत राम

4. श्री जगदीप प्रगाढ यारू श्री राम कृष्ण मुख्तनया मं० जै दिन्द मिन्ज स्टोरज, रेलवे गोड़ बाठिड़ा।

1. श्रीमती मल्होप गरोवर पत्नी श्री ओम प्रकाश ग्रोवर।

2. श्रीमती किरण गर्ग पत्नी श्री शिव चरन गर्ग।

3. श्रीमती मलोचना गोयल पत्नी श्री ओम प्रकाश गोयल।

4. श्री मन्न राम पुत्र श्री गोपाल दास।

5. श्रीमती माविनी गर्ग विधवा श्री चरन दास गर्ग।

6. श्रीमती शान्ती रानी पत्नी हर प्रकाश मक्सेना।

मारकत श्री ओम प्रकाश ग्रोवर, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, धोबी बाजार बाठिड़ा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर, सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा गह अधिसूचित किया जाना है कि इम स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में निम्न गण आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनावाई के लिए तारीख और स्थान निपात किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिसी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाना है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैश के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मूल जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना०, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में गठापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उग अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट आफ नैण्ड, पावर हाउस कासोनी, बाठिड़ा।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख ना० 4130 पिन्डर 1973 के अनुसार सब रजिस्ट्रार बाठिड़ा के दफ्तर में लिखा है।

जा० पी० सिंह

मक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

दिनांक 30-1-74

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, मैक्टर 9-बी  
चण्डीगढ़, दिनांक 30 जनवरी, 1974

मं० बी० टी० ए०/1408/73-74—यतः, मुझे जी० पी०  
मिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
मंद्या भूमि है, जो मुक्तसर में स्थित है (और इसमें  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मितम्बर को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगराज मिह पुत्र धी लाल मिह निवासी मुक्तसर।  
(अन्तरक)  
2) 1. श्री बिहारी लाल पुत्र श्री ठाकुर दास

2. श्रीमती ज्ञान देवी पन्नी श्री राम जी दास (अन्तरिती)
3. श्री भाग राम पुत्र श्री बिहारी लाल
4. श्री महर चन्द पुत्र श्री बिहारी लाल
5. श्री मदन लाल पुत्र श्री लाल चन्द
6. श्री भगत राम पुत्र श्री जय लाल
7. श्री भिक्षन लाल पुत्र श्री किशोर चन्द
8. श्री शेखर कुमार पुत्र श्री मोहन लाल
9. श्री जनिन्द्र कुमार पुत्र श्री मोहन लाल
10. श्रीमती ठाकरी देवी विक्ष्या श्री जगत नाथ  
हेही नेस्ट, मुक्तसर, जिला फरीदकोट।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,  
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

भूमि 8 कनाल 17 मर्गे जिमशा खसरा नं० 2840/2/1,  
और 2849/1/12, मुक्तसर में है।

(जायदाद का रजिस्टर्ड डीड नं० 2410 जो रजिस्ट्रेशन  
आफर मुक्तसर ने सितम्बर 1973 को किया है।)

जी० पी० मिह  
सक्षम प्राधिकारी  
दिनांक 30-1-74      सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर                    अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़, 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 30 जनवरी, 1974

सं० बी० टी० ए०/1409/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० जमीन है जो बाठिड़ा में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाठिड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, सितंबर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफ्लूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकरबनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकरबनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुमतरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-436GI/73

(1) 1. श्री बलबीर सिंह, (अन्तरक)  
2. श्री बलबन्त सिंह,  
3. श्री मुहिद्द सिंह,  
रिहेश गिल पट्टी, बाठिड़ा।  
(2) 1. अनगरेज सिंह पुत्र श्री कृपाल सिंह, (अन्तरिती)  
2. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री कृपाल सिंह,  
3. सजन सिंह पुत्र श्री काला सिंह  
4. श्री जगरूप सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह,  
5. श्री नसीब सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह रिहेश बाठिड़ा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीर से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत कि जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन, 20 कर्ताल 0 मरला गिरका खसरा नं० 488/12-16 487/7-4 जैसे कि रजिस्ट्रीकून के विलेख नं० 3780, मिनम्बर, 1973 के अनुमार मब रजिस्ट्रार बाठिड़ा के इलात्र में लिखा है।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी

प्रस्तुप. आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ दिनांक 30 जनवरी, 1974

सं० बी० टी० ए०/1403/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट आफ लैण्ड है जो बीबी वाला रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाठिङा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तीन 1973 अक्टूबर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री सोम नाथ पुत्र श्री रौनक राम, जरनल अटोरनी
1. श्रीमती सत्या देवी पत्नी सोम दत्त
2. श्रीमती अलका गार्गी पुत्री श्री सोम नाथ

3. श्रीमती अमिता गार्गी

मारफत गुप्ता टरेडरज हस्पताल रोड, सदर बाजार, बाठिङा

(2) 1. श्रोद गज पुत्र श्री श्रीगम

2. श्री जगत नाथ

3. श्री कौर चन्द्र पुत्र श्री नंद राम

4. श्री देश राज

5. श्री परषोत्तम वास

6. श्री केवल कृष्ण पुत्र श्री भितखी राम

7. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री नंद लाल

8. श्री मदन लाल पुत्र श्री बिहारी लाल

मारफत श्री परषोत्तम लाल बकील हस्पताल बाजार, बाठिङा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट आफ लैण्ड जो कि बीबी वाला रोड जो शहर को बाबाला रोड से मिलाती है पर स्थित है जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4452 अक्टूबर 1973 को सब रजिस्ट्रार बाठिङा के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह

दिनांक 30-1-1974

मोहर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध०(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सेक्टर 9-बी।

चण्डीगढ़, दिनांक 30 जनवरी 1974

सं० बी० टी० ए०/1404/73-74—यतः; मुझे जी० पी०

सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है जो प्लाट गुनियाना रोड, भाटिंडा में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, भाटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 अक्तुबर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिसिखित किए गए हैं।

अतः; अब धारा 269-ध० के अनुसरण में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध० की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातु:—

(1) श्री नसीब चन्द्र पुत्र श्री धुतरा मल  
मारफत मै० नसीब चन्द्र, हरीचन्द्र, जियुलरज, सदर बाजार, भाटिंडा  
(अन्तरक)

(2) 1. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री जगन नाथ

2. श्री चरनजी लाल पुत्र श्री हीरा लाल

4. श्री तारा चन्द्र पुत्र श्री ठाकुर वास

4. श्री वेस राज पुत्र श्री गौरी शंकर

5. श्री भदन लाल पुत्र श्री ब्रज लाल

6. श्रीमती भ्राणा देवी पत्नी श्री मदन लाल

7. श्रीमती नैना देवी पत्नी श्री परस राम

8. श्री अशोक सेठ पुत्र श्री राम प्रकाश

मारफत मै० बर्टनज शौ रूम, घोबी बाजार, भाटिंडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का प्लाट जो गुनियाना रोड, भाटिंडा

(जायदाद का रजिस्टर्ड डीड न० 4455 अक्तुबर 1973 में सब-रजिस्ट्रार भाटिंडा ने किया।

जी० पी० सिंह,  
दिनांक 30-1-74 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 30 जनवरी, 1974

[सं० बी० टी० ए०/1405/73-74—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है जो गुनियाना रोड़, भाटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, भाटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 अक्तुबर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीक्यूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरी चन्द पुत्र श्री धुतरा मल

मारफत मैं० नसीब चन्द, हरी चन्द, ज्यूलर्ज, सदर बाजार, भाटिंडा

(अन्तरक)

(2) 1. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री जगन नाथ

2. श्री चरंजी लाल पुत्र श्री हीरा लाल

3. श्री तारा चन्द पुत्र श्री ठाकुर बास

4. श्री देस राज पुत्र श्री गौरी शंकर

5. श्री मदन लाल पुत्र श्री ग्रज लाल

6. श्रीमती आशा देवी पत्नी श्री मदन लाल

7. श्रीमती नैयना देवी पत्नी श्री परस राम

8. श्री अशोक सेठ पुत्र श्री राम प्रकाश

मारफत मैं० बट्टनज्ज , शो रूम, धोबी बाजार, भाटिंडा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का प्लाट जो गुनियाना रोड़ भाटिंडा में स्थित है। जायदाद का रजिस्टर्ड फ़ीड नं० 4456, अक्तुबर 1973 में सब-रजिस्ट्रार भाटिंडा ने किया।

दिनांक 30-1-74

मोहर

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

प्र० आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 जनवरी 1074

सं० बी० टी० ए०/1410/73-74—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी मं० प्लाट आफ लैण्ड, पावर हाउस रोड़ है जो भठिंडा में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बठिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 अक्तूबर को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) 1. श्री राम जी दास पुत्र श्री काका राम
2. श्री जगत राम पुत्र श्री हरनाम दास कोटकापूरा

3. श्री राम निवास पुत्र श्री मंगत राम  
मारकत मै० जै हिन्द मिल्ज, स्टोरज, रेलवे रोड़, बठिंडा ।

4. श्री जगदीश प्रमाद द्वारा श्री राम कृष्ण मुख्यतावार  
(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती सन्तोष गोवर पत्नी श्री ओम प्रकाश गोवर
2. श्रीमती किरण गरग पत्नी श्री शिव चरन गरग
3. श्रीमती सन्तोषना गरोवर पत्नी श्री ओम प्रकाश गरोवर
4. श्री सन्त राम पुत्र श्री गोपाल दास
5. श्रीमती सावित्री देवी गरग विधवा श्री चरन दास गरग
6. श्रीमती शान्ती रामी पत्नी श्री हर प्रकाश सक्सेना

मारकत श्री ओम प्रकाश गरोवर, नैशनल इंश्योरेंस कंपनी धोबी बाजार, बठिंडा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेपों किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट आफ लैण्ड, पावर हाउस कालोनी बठिंडा (जायदाद जिसका रजिस्ट्रेड डीड नं० 4115, अक्तूबर 1973 में सब-रजिस्ट्रार बठिंडा ने किया।

जी० पी० सिंह,

दिनांक : 30-1-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर :

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 जनवरी 174

निर्देश सं० ए० सी०-८०/आर० २/कैल०/७३-७४—यतः,  
मुझे, एम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 27 एन० सी० है, जो ब्लाक 'बी०' न्यू अलीपुर  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूरी रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार  
अलीपुर सदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन 10-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल  
है, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. लाइफ इन्स्योरेन्स कारपोरेशन शाफ इंडिया । (अन्तरक)
2. हिन्दुस्तान बिल्डिंग सोसाइटी लि० (कन्फर्मिंग पार्टी)
  - (i) शैलेन्द्र कुमार मित्र
  - (ii) गोपाल चन्द्र मजुमदार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथाप्रभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

न्यू अलीपुर कलकत्ता के ब्लाक 'बी०' का प्लाट नं० २७/एन०  
सी० जिसका क्षेत्रफल ७.०१ कट्टा है।

एम० एन० तिवारी,  
सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, पी०-१३ चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता।

तारीख 21-1-74

मोहरः

प्रसूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख 21 जनवरी 1974

निर्देश मं० पा०सी०-८१/आर०-II/कैल०/७३-७४—यतः,  
मुझे प्रम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 162 है, जो प्रिस अनवरशाह रोड, कलकत्ता में  
स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ज्यायंट सब-रजिस्ट्रार श्रीलीपुर  
बहोप्पा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन 31-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के  
लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोविन्द लाल बांगड़ ।

2. मेसर्स बांगड़ लैण्ड इवेलपमेन्ट कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

3. श्रीमती मुक्तकेशी मल्लिक ।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए नारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 162 प्रिस अनवर शाह रोड टालीगंज कलकत्ता मौजा  
अर्कपुर में खाता नं० 112, 823 तथा 723 सी० प्रस० वाज  
नं० 239 तथा 54 में 5 कट्टा 6 छटाक 3 वर्ग फीट जमीन।

प्रम० एन० तिवारी,  
सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज II, पो० 13, चौरसी स्क्वायर, कलकत्ता - 1

तारीख 21-1-74

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेज-II

कलकत्ता।

तारीख 21-1-74

निर्देश सं० ए० सी०-८२/आर० II/कैल०/73-74—यतः  
मुझे एम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) की धारा 269 द्वारा के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिस का उचित बाजार मूल्य 25000 रुपये से अधिक है  
और जिसकी मूल्य 162 है, जो प्रियंका अवनवरशाह रोड, कलकत्ता में  
स्थित है, और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय ज्वाहांट सब रजिस्ट्रार अन्नपुरा  
बेदाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम अधिकारी के कार्यालय  
अधिनियम 1908—1908 का 16 के अधीन 31-7-73 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलोक्त के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शूल करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोविंद लाल बांगड़। (अन्तरक)

2. मेमर्स बांगड़ लैड मैड इंवेलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड। (अन्तरिती)

(i) हीरालाल मलिक

(ii) श्री गोहनलाल मलिक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 162 प्रियंका अवनवरशाह रोड, टालीगंज, कलकत्ता, मौजा अर्कपुर के खाता नं० 112 सी० एम० दाज नं० 239 में 5 कट्टा 3 छटाक 2 वर्गफीट जमीन।

एम० एन० तिवारी,  
गक्षम प्राधिकारी,

गहायक आयकर आयुवत निरीक्षण,  
अर्जन रेज-II, पी० 13, चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता-1।

तारीख 21-1-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेज-II

कलकत्ता

तारीख 21-1-74

निर्देश सं० ए०मी०-८३/आर० II/कैल/73-74—यतः, मध्ये, एम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० 68/4/एफ० है, जो पूर्ण दास रोड, कलकत्ता में स्थित है और इसमें उगावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार अनीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनेक के अनुमार अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तप पाया गया ऐसे अनुरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुरण में हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अनः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याग 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अनः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
5—436GI/73

1. श्री नरेन प्रकाश बनर्जी ।

(अन्तर्गत)

2. श्री सोमनाथ बनर्जी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उगकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथाग्रिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

68/एफ० मनोदग्गुकुर रोड (वर्तमान नंबर 68/4/एफ० पूर्ण दास रोड) धाना टालीगंज कलकत्ता में 4 कट्टा जमीन।

एम० एन० तिवारी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, पी० 13, चौंगी स्क्वायर, कलकत्ता।

तारीख 21-1-74

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी 1974

निर्देश मं० ए०सी०-४४/आर० II/कैल०/73-74—यतः  
मुझे एम० एन० तिवारी, आयकर, अधिनियम 1961 (1961  
का 43) की धारा 269ब० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी मं० ५ है, जो बालीगंज, टेरेस कलकत्ता में स्थित है  
और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार अलीपुर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
7-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच सब पाया गया एस अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) ) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रणजीत नारायण चौधरी ।	(अन्तरक) ^
2. (i) श्री प्रफुल कुमार बसु	(अन्तरिती)
(ii) श्रीमती नीलिमा बसु	
(iii) देवाशीम बसु	
(iv) स्नेहाशीष बसु	

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) उक्त सम्पत्ति के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
स्थावर सम्पत्ति के अंतरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैर के अधीन सूचना दी गई है,  
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नं० 4 बालिगंज टेरेस, कलकत्ता-19 में 4 कट्टा 2 छटाक  
जमीन ।

एम० एन० तिवारी,  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, पी० 13, चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता ।

तारीख : 22-1-74

मोहर :

प्रस्तुप, आई०टी० एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ध (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता का कार्यालय,

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए०सी०-८५/आर० II/कैव०/७३-७४—यतः,  
मुझे, एम० एन० निवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 164 है, जो प्रिय अनवरणा है, कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ज्वाइंट सब रजिस्ट्रार अलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री लक्ष्मी निवास, बांगड़ (अन्तरक)
2. मेमर्म बांगड़ लैण्ड एंड डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि०
  - (i) श्रीमती उमा मुख्यर्जा
  - (ii) श्री एम० कौ० बसु मलिक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयोगिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

नं० 164 प्रिय अनवरणा है, टालीगंज, कलकत्ता, मौजा अरकपुर खाना नं० ५६३ मी० एम० दाग नं० ८६ और ८७ में ४ कट्टा १३ छटाक ९ वर्ग फीट जमीन।

एम० एन० निवारी,  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, पी-१३, नौरगी स्वायर, कलकत्ता-१

तारीख: 22-1-1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II

कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी 1974

निर्देश मा० प० सी०-४०/आर० ॥/कैल०/७३-७४—यतः,  
मुझ, एम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विधास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी मा० 164 है, जो प्रिय अनवर शाह रोड, कलकत्ता में  
स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुमूल्य से और पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार अर्लापुर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 7-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार  
अन्तरित की गई है और मुझ यह विधास करने का कारण  
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ)  
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्री बेनुगोपाल बांगड़  
(ii) श्री निवाम बांगड़ (अन्तरक)
2. मे० बांगड़ नैण्ड डेवलपमेण्ट कार्पोरेशन निं०
3. श्री एस० के० चट्टर्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही  
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

नं० 164 प्रिस अनवर शाह रोड टालीगंज, कलकत्ता, मौजा  
अरकपुर खाता नं० 580 सी० एन० दोंग नं० 69 में 5 कट्टा, 6  
छटाक 16 वर्ग फीट जमीन।

एम० एन० तिवारी,  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेज-II, पी० 13, चौरगो म्बायर, कलकत्ता।

तारीख 22-1-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर प्राधिकारी (निरीक्षण) अर्जन रेज-11

कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी 1974

निर्देश म० ए० सी०-८७/आर० ॥/कैल०/73-74—यतः,  
मुझे, एम० एन० निवारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) कि धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है  
और जिसकी ग० 11 है, जो प्रतापादित्य घंटम कलकत्ता-26 में स्थित  
है और इसमें उपावद अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-  
कर्ना अधिकारी के बायांपय डिस्ट्रिक रजिस्ट्रार शालीपुर में भारतीय  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन 23-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनियुक्त के अनुमार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथा पाथा गया एसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
करदाने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
या छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-का के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

1. शा० नंश्ट नद्र बनजी

(अन्तरक)

2. श्री सुब्रत चौधरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से  
किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य अवक्षित, द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पात्र लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) के अध्याय 20-का में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

नं० 11, प्रतापादित्य एसेस, थाना टलीगंज, कलकत्ता-26 में  
3 कट्टा 4 छठाक 34 वर्ग फीट जमीन।

एम० एन० निवारी,

सहायक आयकर प्राधिकारी,

आयकर आयकर प्राधिकारी (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-11, पी०-13, चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता

तारीख 22-1-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी, 1974

सं० 40/अर्जन/73-74/आगरा/2557 — यतः मुझे आई० ख्रोब्वर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो फतेहाबाद रोड, ताजगंज आगरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आक्रीन 10-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्ट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरवंश लाल मेहरा पुत्र श्री दुर्गदास मेहरा नि० 2080 शान्तिनगर दिल्ली।

2. श्री मुख्य अधिकारी, नार्देन डेंडिया होटल तेहली लि०। (अन्तरिती)
- कार्यालय बी० 7/3 आसफ अली रो नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, पदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि माप 17 विस्वा और 10 बिहूर्वासी खसरा नि० 909 (11 बिस्वा) और खसरा नि० 910 (6 बिस्वा और 10 बिहूर्वासी स्थित फतेहाबाद रोड, ताजगंज (ग्राम बमई मुम्तकिल) आगरा।

वाई० खोखर  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 31-1-74

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं. 5

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाने हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु, सीमाओं के अंतर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़ कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगाँडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रवर्जन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुन्दर उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं से छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करने समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं सद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम  $23 \times 10$  सें. मी. ० आकार का अपना पता लिखा हूआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र भाँगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रवर्जन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भरना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर साँदे कागज पर, आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को माक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ता। रु. 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 2.00) के रेखांकित किए हए भारतीय पोस्टल आड्डर महिन, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 4 मार्च, 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप-मूह तथा लक्ष्मीगंगा में रहने वाले आवेदकों के लिए 18 मार्च, 1974) है। खजाना रमीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 13 के पद स्थायी हैं। क्रम-संख्या 2, 12 तथा 15 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियकित अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 14 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलने रहने तथा स्थायी कर दिए जाने की संभावना है। क्रम-संख्या 3, 4, 5, 6, 7, 8 तथा 9 के पद अस्थायी हैं। किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलने रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 1 का पद अस्थायी है। क्रम-संख्या 10 तथा 11 के पद नियमित संवर्ग में मिलती हैं जो कि किसी आश्वासन के बिना तदर्थे आधार पर अस्थायी रूप से स्वीकृत हैं।

क्रम-संख्या 10 के चार पद तथा क्रम-संख्या 11 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और यदि अनुसूचित जातियों के उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलते हैं तो उन्हें अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 10 के दो पद तथा क्रम-संख्या 11 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और यदि अनुसूचित आदिम जातियों के उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलते हैं तो उन्हें अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 13 के दो पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेंगे और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझे जाएंगे। क्रम-संख्या 13 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेंगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा।

क्रम-संख्या 13 का एक पद, यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो, उन आपातकालीन आयक्षण/अल्पकालीन मेवा आप्रवत्त अधिकारियों के लिए आरक्षित है जिन्हें 1-1-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व साश्वत सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पर्व प्रणिष्ठण में सम्मिलित हो गए थे, किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो निर्मित हों/मैत्य मेवा के कागण हई विकलांगता के फल-स्वरूप अपैग हों/निर्मित होने वाले हों अन्यथा उसे अनारक्षित समझा जाएगा।

1. एक निवेशक (पैट्रोलियम), योजना आयोग। वेतन:—  
रु. 1300-60-1600-100-1800। आय-सीमा :—  
45 वर्ष। योग्यताएँ : अभिकार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विष्वविद्यालय से रमायन प्रौद्योगिकी/निल प्रौद्योगिकी/पैट्रोलियम प्रौद्योगिकी/रमायन इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या भू-विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा ममकक्ष योग्यता। (ii) पैट्रोलियम के ममन्वेषण या आयोजन या उन्यादन या शोधन जैसे पैट्रोलियम उद्योग के विभिन्न पहलुओं में लगभग 8 वर्ष का अनुभव जिसमें से 2 वर्ष पैट्रोलियम उद्योग के तकनीकी/आर्थिक

तथा अन्य पहलुओं की जांच और/या साध्यता प्रतिवेदनों के प्रणयन/मन्तव्यांकन से संबद्ध हो।

2. गणित का एक आचार्य, विल्सो इंजीनियरी कॉलेज, दिल्ली, विल्सो प्रशासन। वेतन :—रु 1100-50-1300-60-1600। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में गणित में डॉक्टरेट डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) अनुसंधान/विकास/अध्यापन में कम से कम 8 वर्ष का अनुभव (जिसमें डिप्लोमा/स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ाने का तम से कम तीन वर्ष का अनुभव सम्मिलित हो)।

3. एक प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान तथा विकास संगठन, रक्षा मन्त्रालय। वेतन :—रु 1100-50-1200-100-1500। आयु :—वरीयत 45 वर्ष से कम। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में वैमानिक/यांत्रिक/वैद्युत इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी कार्यालय/अनुसंधान तथा विकास प्रतिष्ठान के वायुगतिकी प्रभाग में लगभग 6 वर्षों का अनुभव जिसमें से कम से कम 3 वर्ष का अनुभव किसी दायित्वपूर्ण निदेशकीय तथा प्रणालीकीय हैमियत से हो। इस अनुभव के अंतर्गत ट्रायेट इंजीनियर और आरु पी० बी० पर वायुयान प्रयोग अनुमानन और वायुगतिकी अभिकल्पन अध्ययन सम्मिलित होता चाहिए।

4. एक संयुक्त निदेशक (क्षेत्रीय लेखा तथा विशेषण)। योजना आयोग। वेतन :—रु 1100-50-1400। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएँ :—अनिवार्य :—(i) अर्थशास्त्र अथवा अर्थमियति में “मास्टर” डिप्लोमा। (ii) क्षेत्रीय निविट्ट-निपत्र मॉडल बनाने तथा क्षेत्रीय लेखा नैयार करने का पर्याप्त अनुभव। (iii) मॉडल रचना के लिए आवश्यक अंकीय आधार के परिचान महित राष्ट्रीय राज्य तथा उप राज्य स्तरों पर योजना रूपान्वयन के प्रमाधन का ज्ञान। (iv) ख्याति प्राप्त भागीदारी तथा विदेशी पत्रिकाओं में प्रकाशित मूल कृतियों का प्रमाण।

5. एक निवेशक, नागरिक सुरक्षा (चिकित्सा), स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक, नई दिल्ली, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्रालय (स्वास्थ्य विभाग)। वेतन :—रु 1300-60-1600। आयु-सीमा :—50 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) भागीदारी मेडिकल कार्डिनल अधिनियम, 1956 की प्रथम या द्वितीय अनुसूची में अथवा तृतीय अनुसूची के भाग (ii) में निवड़ (लाइसेंस) योग्यताओं को छोड़कर) मान्य मेडिकल योग्यता। तृतीय अनुसूची के भाग II में निवड़ जैक्सिक योग्यताओं से युक्त उम्मीदवारों को भागीदारी मेडिकल कार्डिनल अधिनियम, 1956 की धारा 13(3) में निर्धारित शर्तों को भी पूरा करना होगा। (ii) मेडिसिन, शल्य कार्य या लोक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर योग्यताएँ अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) पर्याप्त प्रशासनिक अनुभव सहित उक्त व्यवसाय में 12 वर्ष

का अनुभव। (iv) किसी वहाँ गिविल या मैनिक अस्पताल को चलाने और नागरिक सुरक्षा मंगठित करने का अनुभव।

6. एक रोगविज्ञानी, मानसिक रोग चिकित्सालय, रांची, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्रालय (स्वास्थ्य विभाग) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा ब्लास I का विशेषज्ञता प्रेस I। वेतन :—रु 600-40-1000-द० गो०-50-1300 तथा माथ में वेतन के 50 प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भना जो अधिक से अधिक रु 600/- प्रतिमास होगा। आयु-सीमा : 45 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) वही जो उपर्युक्त मदर्सेज्या 5(i) में है। (ii) रोगविज्ञान म स्नातकोत्तर योग्यताएँ जैसे एम० डी० (पैथ०); एम० डो० (पैथ० पैंड बैकट०); एम० एस०-मी० (पैथ० पैंड बैकट०); एम० एम०-मी० (पैथ०); पी० एच०-डी० (पैथ० पैंड बैकट०); डी० एस०-मी० (पैथ० पैंड बैकट०); डी० मी० पी०, डी० पी० बी० अथवा समकक्ष योग्यता। (iv) स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में क्रमशः विशेषज्ञता में संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम 3 वर्ष/5 वर्ष का अनुभव।

7. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड I, आयुध प्रौद्योगिकी संस्थान, पूना, रक्षा मन्त्रालय। वेतन :—रु 700-50-1250। आयु :—वरीयत: 40 वर्ष से कम। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में गणित या परिचालन अनुसंधान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) परिचालन अनुसंधान, पद्धति विशेषण और कृतिम अनुस्पृण प्रविधियों में अध्यापन अथवा अनुसंधान का लगभग नारू वर्ग का अनुभव।

8. एक सूक्ष्मजीवविज्ञानी, केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्रालय (स्वास्थ्य विभाग)। वेतन :—रु 700-40-1100-50/2-1150। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में सूक्ष्म जीवविज्ञान/जीव रसायन विज्ञान में “मास्टर” डिप्लोमा अथवा खाद्य प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) सूक्ष्म जीवविज्ञान/जीवाणुविज्ञान में अनुसंधान/प्रयोगशाला का लगभग पांच वर्ष का अनुभव।

9. पुस्तकालय विज्ञान की एक महिला आध्याता, राजकीय महिला पालिटेक्निक, चन्डीगढ़, तकनीकी शिक्षा विभाग, संघ राज्य क्षेत्र, चन्डीगढ़। वेतन :—रु 400-30-700/40-1100। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(क) (i) द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिप्लोमा। (ii) पुस्तकालय विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की “वैनकर” डिप्लोमा अथवा डिल्टोमा। अथवा (ख) (i) पुस्तकालय विज्ञान में “मास्टर” डिप्लोमा। (ii) किसी विश्वविद्यालय या अनुसंधान पुस्तकालय में पुस्तकालय या महायाक पुस्तकालय के पद पर दायित्वपूर्ण हैसियत से कार्य करने का 5 वर्ष का अनुभव।

10. छब्बीस सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल), जहाजरानी और परिवहन मन्त्रालय (सड़क पथ)। वेतन :—रु

400—400—450—30—600—35—670—द० रो०—35—950।

आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) मण्डकों/पुर्णों के अभिकल्पन, अनुरक्षण और निर्माण के क्षेत्र में दो वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

11. छह सहायक कार्यकारी इंजीनियर (यांत्रिक), जहाज-रानी और परिवहन मन्त्रालय (सड़क पथ)। वेतन :—रु० 400—400—450—50—600—35—670—द० रो० 35—950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) पुल निर्माण स्थलों पर काम आने वाली सड़क निर्माण मशीनरी, गिट्टी हटाने के उपकरण तथा मशीनरी के उत्पादन/मरम्मत तथा अनुरक्षण के क्षेत्र में दो वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

12. गणित का एक आख्याता, विल्ली इंजीनियरी कालेज, विल्ली, विल्ली प्रशासन। वेतन :—रु० 400—40—800—50—950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से गणित में कम से कम द्वितीय श्रेणी की एम०ए०/एस०एम०सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में कम से कम 3 वर्ष का अध्यापन/अनुसंधान/विकास कार्य/अथवा गणित में "डाक्टरेट" डिग्री।

13. सात सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षाधीन)/रसायनक, रक्षा मन्त्रालय। वेतन :—रु० 400—400—450—30—600—35—670—द० रो०—35—950। आयु-सीमा : 30 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान या प्रयुक्त रसायन विज्ञान या औद्योगिक रसायन विज्ञान या रसायन प्रौद्योगिकी में "मास्टर" डिग्री अथवा रसायन इंजीनियरी में "बैचलर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता प्राप्त की हो। (ii) रसायन उद्योग का या रसायनों के उत्पादन से संबद्ध अनुसंधान एवं प्रयोगशाला कार्य का लगभग 3 वर्ष का अनुभव हो।

#### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 14th January 1974

No. F.6/74-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to continue, S/Shri S. Banerjee and Rijha Ram, as Officiating Assistant Registrars, beyond the period stipulated in this Registry's Notification No. F.6/73-SCA(I) dated the 23rd July, 1973, until further orders.

S. K. GUPTA  
Registrar (Admn.)

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 31st December 1973

No. A 35017/1/73-Admn.II.—The services of Shri L. S. Sharma, Senior Auditor of the office of the Chief Auditor, Northern Railway, Baroda House, New Delhi, presently working as Accounts Officer, on deputation, with the office of the Union Public Service Commission, are replaced at the disposal of the Chief Auditor, Northern Railway, Baroda House, New Delhi, with effect from the afternoon of the 31st December, 1973.

6—436GI/73

14. दो कर्मशाला अधिकारी क्लास I, बैचलर तथा यांत्रिक इंजीनियर और, रक्षा मन्त्रालय। वेतन :—रु० 400—400—450—30—600—35—670—द० रो०—35—950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएँ :—अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से धारतुकर्म इंजीनियरी में डिग्री। (ii) लगभग दो वर्ष का व्यावसायिक अनुभव।

15. एक मात्रिकी विकास अधिकारी, अंडमान तथा निकोबार ह्यूमेंप समूह। वेतन :—रु० 350—25—500—30—590—द० रो०—30—800—द० रो०—30—830—35—900। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से प्राणिविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" या समकक्ष "आर्सेनल" डिग्री। (ii) केन्द्र या राज्य के मात्रिकी विभाग में सम्प्रदाय से मल्ली पकड़ने का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

#### शुद्धि-पद

वो वरिष्ठ विद्यालय निरीक्षक, विल्ली नगर निगम। संवर्धन : दिनांक 21 जुलाई 1973 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 29 की मद संख्या 14। संवर्धनाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विशापित दो पदों में से एक पद केवल अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और दूसरा अनारक्षित है और यह अनारक्षित पद केवल महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। अन्य शर्तें पूर्ववत् हैं। महिला उम्मीदवारों से नए आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख 4 मार्च, 1974 (विदेश में तथा अंडमान और निकोबार ह्यूमेंप समूह और लक्ष्मीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 18 मार्च, 1974) तक बढ़ा दी गई है। जिन महिला उम्मीदवारों ने आयोग के विज्ञापन संख्या 29 के आधार पर पहले ही आवेदन किया था उन्हें फिर से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

अशोक चन्द्र, अन्तर्राष्ट्रीय प्रबन्धाध्याय,  
सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग।

.The 17th January 1974

No. A 32013/1/73-Admn.I.—Shri B. R. Verma, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. 32013/173-Admn.I dated 5th December 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 18th December 1973.

2. On his reversion, Shri B. R. Verma, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 18th December 1973.

The 18th January 1974

No. A 32013/1/73-Admn.I.—Shri R. Pandit, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service vide this office Notification of even number dated the 15th Nov., 1973, relinquished charge of the

office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 21st December, 1973.

2. On his reversion, Shri R. Pandit resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 21st December, 1973.

No. A 32013/1/73-Admn.I.—Shri R. P. Satkartaria, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, *vide* this office Notification No. A 32013/1/73-Admn.I dated 13th December, 1973 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 24th December, 1973.

2. On his reversion, Shri R. P. Satkartaria resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 24th December, 1973.

No. A 32013/1/74-Admn.I.—Shri T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service and Under Secretary, Union Public Service Commission, *vide* this office Notification No. A 32013/1/73-Admn.I dated the 5th December, 1973 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 3rd January, 1974.

2. On his reversion, Shri T. N. Channa resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 3rd January, 1974.

M. R. BHAGWAT  
Under Secretary  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 18th January 1974

No. A 32016/3/73-Admn.II.—Shri B. R. Gupta, a permanent Assistant Superintendent (Hollerith) who was appointed to officiate as Superintendent (Hollerith) upto the 28th December, 1973 *vide* this office Notification of even number dated the 3rd December, 1973 has been allowed to continue to officiate as such upto the 21st March, 1974, or until further orders, whichever is earlier, *vice* Shri M. L. Dhawan Superintendent (Hollerith) granted leave.

M. R. BHAGWAT  
Under Secretary  
for Secretary  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 15th December 1973

No. A 32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this Office Notification of even number dated the 15th Sept. 1973, the President is pleased to appoint Shri S. P. Biswas, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 44 days from the 19th Oct., 1973 to the 1st Dec. 1973 or until further orders, whichever is earlier.

No. A 32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri B. Sundarshan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section

Officers' Grade of the Service for a period of 48 days, from the 1st November, 1973 to 18th December, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

The 24th December 1973

No. A.32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this office Notification of even number dated the 15th December, 1973, the president is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period of 49 days from the 22nd December 1973 to 8th February 1974, or until further orders, whichever is earlier.

The 26th December 1973

No. A.12025(III)/1/73-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Dept. of Personnel & Administrative Reforms) O.M. No. 5/26/73-CSI dated the 23rd November, 1973 and in partial modification of this office Notification No. A.32014/1/73-Admn.III dated the 15th March, 1973, the President is pleased to appoint Smt. V. K. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre for the further period from 23rd November, 1973 until further orders.

No. A.12025(II)/1/73-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Dept. of Personnel & Administrative Reforms) O.M. No. 5/26/73-CSI dated the 23rd November 1973, the President is pleased to appoint Shri P. C. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre for the further period from 4th December, 1973 until further orders.

No. A.12025(II)/1/73-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & Administrative Reforms) O.M. No. 5/26/73-CS.I dated the 23rd November, 1973 and in continuation of this office Notification No. A.32014/1/73-Admn.III dated the 26th December, 1973, the President is pleased to appoint Shri H. R. Pant, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre for the further period from 2nd December, 1973 until further orders.

The 17th January 1974

No. A.32013/2/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Lal, a permanent officer of Grade J of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the Service for a further period of 3 months with effect from 19-12-1973 to 18-3-1974 (both days inclusive) or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A.32013/2/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Prasad, a permanent Officer of Grade J of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the service for a period of 3 months with effect from 18-12-1973 to 17-3-1974 (both days inclusive) or till a regular Officer joins, whichever is earlier.

No. A.32013/2/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Goela, a permanent officer of Grade J of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the service for a further period of 3 months with effect from 3-1-1974 to 2-4-1974 (both days inclusive) or till a regular officer joins, whichever is earlier.

The 19th January 1974

No. A.32013/2/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Pruthi, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the service for a further period of 3 months with effect from 3-1-1974 to 2-4-1974 (both days inclusive) or till a regular officer joins, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT  
Under Secretary  
(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission

**CABINET SECRETARIAT  
DEPTT. OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE  
REFORM  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi, the 17th January 1974

No. 11/6(4)/73-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri M. R. Wadkhe, an officer of Maharashtra Police, on deputation as Inspector in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation Branch, Bombay in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 17th December, 1973 until further orders.

G. L. AGARWAL  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.  
*for* Deputy Inspector Genl. of Police  
Special Police Establishment

New Delhi-1, the 19th January 1974

No. J-6/73-AD.V.—Shri Jag Ram, Dy. S.P. C.B.I. on deputation from Haryana State relinquished charge of his office in the C.B.I. on the afternoon of 31-12-73, on repatriation to his parent State.

G. L. AGARWAL  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

**CENTRAL VIGILANCE COMMISSION**

New Delhi-1, the 9th January 1974

No. 31/5/73-Admn.—On attaining the age of superannuation, Shri N. M. Roy, a permanent Section Officer in the Central Vigilance Commission, relinquished charge of the post with effect from the afternoon of 31st December, 1973.

B. V. DIGHE  
Under Secretary (Admn.)

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE  
POLICE FORCE**

New Delhi-110001, the 16th January 1974

No. O.II-115/71-Ests.—While proceeding on 33 days leave preparatory to retirement Major N. S. Basera relinquished charge of the post of Assistant Commandant, 3rd Signal Bn, CRP Force, Rampur on the afternoon of 28-11-1973.

2. On the expiry of his leave preparatory to retirement Major N. S. Basera shall be deemed to have retired from Govt. Service w.e.f. forenoon of 1-1-1974.

No. O.II-661/71 Ests.—Consequent on his repatriation to the parent State of Tamil Nadu, Shri L. A. Loos

relinquished charge of the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander) Group Centre, CRP Force, Avadi, Madras on the afternoon of 1st January, 1974.

The 21st January 1974

No. O.II/108/69-Ests.—On his retirement from Govt. service, Lt. Col. T. D. Radhakrishnan an officer of the Indian Army on deputation to the CRP Force, has relinquished charge of the post of Commandant 2nd Signal Bn, CRPF on the afternoon of 31-12-1973.

(II)

On his re-employment in the CRP Force, Lt. Col. T. D. Radhakrishnan has taken over charge of the post of Commandant 2nd Signal Bn CRP Force on the forenoon of 1-1-1974.

No. O.II/126/71-Ests.—On his retirement from Govt. service, Major B. K. Sobti an officer of the Indian Army on deputation to the CRPF, has relinquished charge of the post of Assistant Commandant, 1st Signal Bn, CRPF on the afternoon of 31-12-1973.

(II)

On his re-employment in the CRP Force, Major B. K. Sobti has taken over charge of the post of Asstt. Commandant 1st Signal Bn, CRPF on the forenoon of 1-1-1974.

S. N. MATHUR  
Assistant Director (Adm)

**INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT**

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL**

Bhubaneswar, the 15th January 1974

No. Admn-IAD-I-29-(Con)-2983(6).—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint substantively the following officiating Accounts Officers of this office in the cadre of Accounts Officer, with effect from the date noted against each.

1. Shri Subodh Chandra Dam—1-3-1973.
2. Shri Tamal Nath Roy—1-3-1973.

G. C. SRIVASTAVA  
Deputy Accountant General (Admn)

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT**

**OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL  
OF DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi, the 18th January 1974

No. 23011(1)/66-AN-II.—The following officers on probation have been confirmed in the Time Scale of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each :—

S. No. Names,—Date of confirmation

1. Shri V. R. Sambandam—1-4-1973.
2. Shri M. S. Kapur—1-4-1973.
3. Shri D. Goswami—3-5-1973.
4. Shri A. C. Patnaik—11-7-1973.
5. Smt. S. Mukherjee—11-7-1973.
6. Kum. S. K. Aulakh—20-7-1973.
7. Kum. Neil Kamal Ahluwalia—2-8-1973.
8. Shri Sanjiva Goyal—11-7-1973.
9. Shri Asong Singsit—21-7-1973.

C. V. NAGENDRA  
Dy. C. G. D. A.

MINISTRY OF DEFENCE  
 INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
 DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES  
 ORDNANCE EQUIPMENT FACTORIES GROUP  
 Calcutta, the 29th December 1973

No. 10/73/G/OEF.—On attaining the age of superannuation, Shri P. K. Mustafi, Offg. Dy. Manager, retired from service with effect from 19th September, 1973.

B. M. TANEJA  
 Asstt. Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 15th January 1974

No. 2/74/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Ofc. Officer Supervisor with effect from the dates shown against them, until further orders :—

1. Shri Nirmal Chandra SENGUPTA, Permt Supdt.—5th November, 1973
2. Shri Bhupati Bhusan BISWAS, Permt Supdt.—6th December, 1973.

M. P. R. PILLAI  
 Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING  
 DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 10th January 1974

No. 1930-Adm.B.—In continuation of this Directorate notification of even No. dated 21-11-1973, Shri S. R. Das Mazumdar, Head Clerk in the Office of the Estate Manager, Calcutta is further allowed to continue officiating as Assistant Estate Manager, Calcutta upto 17th January, 1974 vice Shri B. N. Chowdhury, Assistant Estates Manager, officiating as Estate Manager, Calcutta.

R. L. AHLUWALIA  
 Deputy Director of Estates (Adm.)

OFFICE OF THE CHIEF PAY & ACCOUNTS  
 OFFICER

DEPARTMENT OF SUPPLY

New Delhi-11, the 11th January 1974

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/5931-35.—The Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Ministry of Food & Agriculture and Rehabilitation, New Delhi has appointed Shri Monohar Sarkar, Section Officer (Pay & Accounts) of his organisation to officiate as Pay & Accounts Officer in the Office of the Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Ministry of Supply, Madras with effect from the forenoon of 12-12-1973 till further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

ARUNA MAKHAN  
 Dy. Chief Pay & Accounts Officer

MINISTRY OF FINANCE  
 (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
 INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 14th January 1974

No. 4923/(A).—Dr. (Mrs.) A. C. Awalgaoonkar, M.B.B.S., Junior Medical Officer, India Security Press Hospital, Nasik Road appointed on *ad hoc* basis initially for three months with effect from 20-11-1969 and last extended up to 31st December, 1973, *vide* Notification No. 3771/(A) dated 6-11-1973, will continue as such on

the same terms and conditions upto 30th June, 1974 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

V. J. JOSHI  
 General Manager  
 India Security Press

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 10th January 1974

No. A.12025/6/73-Est.I.—The Controller-cum-Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. Shrinivasan, Permanent Salesman, Films Division, Bangalore, to officiate as Branch Manager, Films Division, Bombay from 15-12-1973 (F.N.) vice Shri M. N. Kane, Permanent Branch Manager appointed as Officer-in-Charge, Distribution, Films Division, Bombay.

M. K. JAIN  
 Asstt. Administrative Officer  
*for* Controller-cum-Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 17th January 1974

No. 6/52/62-SI.—Shri M. A. Naeem, Programme Executive, All India Radio, Hyderabad retired from service with effect from the afternoon of 31st December, 1973 on attaining the age of superannuation.

SHANTI LAL  
 Deputy Director of Administration  
*for* Director General

The 29th December 1973

No. 2/26/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri G. N. Gokran, Sr. Accountant, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay to officiate as Administrative Officer, High Power Transmitter, All India Radio, Malad, Bombay with effect from 15-12-1973 (A.N.).

The 14th January 1974

No. 2/58/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri V. Krishnamoorthy, Accountant, All India Radio, to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Dharwar with effect from 3-1-1974 (F.N.).

No. 2/25/61-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri I. K. Asnani, Senior Accountant (*ad hoc*), Central Sales Unit, All India Radio, Bombay to officiate as Administrative Officer, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay with effect from 3-1-1974 (F.N.).

The 16th January 1974

No. 2/46/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri A. K. Chakravarty, Sr. Accountant, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Allahabad with effect from 21-12-1972 (F.N.).

The 18th January 1974

No. 2/34/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri R. P. Ramu, Senior Accountant (*ad hoc*), Central Sales Unit, All India Radio, Bombay to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Poona with effect from 21-12-1973 (F.N.).

J. S. PANDHI  
 Section Officer  
*for* Director General

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 11th January 1974

No. 12-22/73-Admn.I.—Consequent upon his allocation to the Ministry of Home Affairs, Shri V. Anantan, relinquished charge of the post of Section Officer in the Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of the 21st November, 1973.

No. 12-28/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Parthasarathy, a permanent Section Officer of the Central Secretariat Service to the post of Administrative Officer, in the Central Government Health Scheme, Directorate General of Health Services, New Delhi, on deputation basis with effect from the forenoon of the 17th December, 1973, and until further orders.

No. 17-71/69-Admn.I.—Consequent upon the expiry of period of his deputation, Shri S. K. Vashist relinquished charge of the post of Accounts Officer (Stores) in the Directorate General of Health Services, New Delhi, on the forenoon of the 12th December 1973.

The 14th January 1974

No. 17-78/72-Admn.I.—Consequent on his appointment to the post of Architect in the Military Engineering Service, Shri K. K. Mitra, relinquished charge of the post of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi, on the afternoon of the 30th November, 1973.

The 16th January 1974

No. 36/10/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. K. Suri, a Section Officer in this Directorate to the ex-cadre post of Administrative Officer, Willingdon Hospital and Nursing Home, New Delhi, with effect from the forenoon of the 4th January, 1974, and until further orders.

2. On his appointment to the ex-cadre post of Administrative Officer, Willingdon Hospital & Nursing Home, New Delhi, Shri R. K. Suri relinquished charge of the post of Section Officer in this Directorate, on the forenoon of the 4th January, 1974.

The 19th January 1974

No. 12-3/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S.C. Sood, a permanent Grade IV Officer of the Central Secretariat Service, as Section Officer in officiating capacity for a period of 9 days with effect from the forenoon of 30th November, 1973 to the afternoon of the 8th December, 1973.

On reversion to the post of Assistant, Shri S.C. Sood, relinquished charge of the post of Section Officer in the Directorate General of Health Services, New Delhi on the afternoon of the 8th December, 1973.

No. 12-2/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S.P. Bhasin, a permanent Grade IV Officer of the Central Secretariat Service as Section Officer in the Directorate General of Health Services in officiating capacity with effect from the afternoon of the 3rd January, 1974 and until further orders.

The 21st January 1974

No. 28-6/73-Admn.I.—On transfer to the Department of Family Planning, Shri B. R. Dohare, relinquished charge as Deputy Assistant Director (Assessment), National Malaria Eradication Programme on the afternoon of the 31st December, 1973.

S. P. JINDAL  
Deputy Director, Administration (O&M)

New Delhi, the 15th January 1974

No. 20-8/73-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri V. V. Khalidkar, officiating Store Supdt., Govt. Medical Store Depot, Bombay as Assistant Depot Manager in the Medical Stores Organisation with effect from the forenoon of the 19th November, 1973 and until further orders.

P. C. KAPUR  
for Director General of Health Services

## (CENTRAL GOVERNMENT HEALTH SCHEME)

New Delhi, the 15th January 1974

No. 1-141/73-Estt.I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. P.L. Nagwani relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, under the Central Government Health Scheme, New Delhi on the afternoon of the 21st September, 1973.

K. S. PARTHASARATHY  
Administrative Officer

New Delhi, the 21st January 1974

No. 39-17/72-CHSI.—On transfer, Dr. D. L. Kochar, an officer of GDO Grade I of the Central Health Service relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director, National Filaria Programme, National Institute of Communicable Diseases, Delhi, on the afternoon of the 22nd December, 1973, and assumed charge of the post of Medical Officer under the Central Government Health Scheme, on the same day afternoon.

G. PANCHAPAKESAN  
Deputy Director, Administration (CHS)

## DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 9th January 1974

No. 2-14/73-Estt.I.—Consequent upon his promotion to the Indian Audit and Accounts Service and his posting as Asstt. Chief Auditor, in the office of the Senior Deputy Chief Auditor (Ordnance Factories) Kanpur, Shri B.K. Mukerjee, Internal Audit Officer, Delhi Milk Scheme on deputation relinquished charge of the office of Internal Audit Officer in the Delhi Milk Scheme with effect from the afternoon of 1st January of 1974.

HARISH CHANDRA  
Administrative Officer  
for Chairman

## ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 8th January 1974

No. F.92-45/73-Estt./253.—Shri M.S. Shishodia, Senior Zoological Assistant, Zoological Survey of India is appointed as Assistant Zoologist, in temporary capacity, in the Zoological Survey of India, Calcutta, with effect from 11th December, 1973 (forenoon), until further orders.

The 11th January 1974

No. F.70-2/71-Estt./515.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the *ad-hoc* appointments on promotion of the following persons in the posts of Assistant Zoologist in the Zoological Survey

of India are regularised with effect from 1-11-73, until further orders :—

1. Shri T.S.N. Murthy
2. Shri R.N. Bhargava
3. Shri B.C. Saha
4. Shri K.C. Basu
5. Shri Mahesh Chandra
6. Shri R.K. Ghosh (I)
7. Shri Samir Sen
8. Dr. P.K. Maity

No. F.70-2/71-Estt./534.—The following Senior Zoological Assistants, Zoological Survey of India are appointed as Assistant Zoologists in the same Department in temporary capacities, with effect from the dates shown against each, until further orders :—

Name & Date of appointment :

1. Shri H.P. Mookherjee, 27th December 1973 (F.N.).
2. Shri S.B. Roy, 28th December 1973 (F.N.).
3. Shri D.P. Bhattacherjee, 27th December 1973 (F.N.).
4. Shri R.K. Ghosh (II), 27th December 1973 (F.N.).

Dr. S. KHERA  
Deputy Director-in-Charge  
Zoological Survey of India

#### DELHI ZOOLOGICAL PARK

New Delhi-3, the 10th January 1974

No. 2-60/73-DZP.—Shri Sundar Lal, Permanent Office Superintendent, Delhi Zoological Park is hereby appointed as Administrative Officer in the same office on *ad-hoc* and temporary basis w.e.f. the forenoon of the 2nd January, 1974 until further orders.

N. S. ADKOLI  
Director

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

##### PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 30th December 1973

No. PA/81(85)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Sankararaman Krishnan, an officiating Scientific Assistant-B in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1973, until further orders.

The 1st January 1974

No. PA/81(113)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vishnu Purushottam Deshmukh, an officiating Draftsman-C in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1973, until further orders.

No. PA/81(113)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Amit Nandkishor Vaidya, a permanent Scientific Assistant-B and officiating Scientific Assistant-C in the Bhabha Atomic

Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1973, until further orders.

The 2nd January 1974

No. PA/81(107)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Kali Natarajan, a permanent Scientific Assistant-B and officiating Scientific Assistant-C in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1973, until further orders.

No. PA/81(99)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dharam Pal Singh Bhalla, a permanent Draftsman-C in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1973, until further orders.

The 5th January 1974

No. PA/75(8)/73-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Matheramcheril Kurian Chacko a permanent Upper Division Clerk and a temporary Purchase Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Purchase Officer in the same Research Centre, with effect from the afternoon of December 21, 1973, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN  
Dy. Establishment Officer (R)

#### CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY New Delhi-12, the 31st December 1973

##### CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 22/1973.—Kumari S. A. Saroja, Chemical Assistant Grade I, Custom House Laboratory, Madras has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the Central Revenues Control Laboratory, Delhi-12 with effect from the forenoon of 12th December, 1973 and until further orders.

V. S. RAMANATHAN  
Chief Chemist, Central Revenues

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 16th January 1974

No. 16/188/73-Ests.I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to confirm Shri N. S. Sissodiyा in the permanent post of Assistant Registrar at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, with effect from the 5th October, 1968.

V. S. BENDRE  
Registrar  
Forest Research Institute & Colleges

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th January 1974

No. A19012(64)/73-Estt.A.—Shri D. Ram, Senior Technical Assistant (Statistics) is promoted to officiate as Mineral Officer (Statistics) in the Indian Bureau of

Mines on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 28th November, 1973 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY  
Sr. Administrative Officer  
for Controller

**MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES**

New Delhi, the 14th January 1974

A-19018/99/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri Kak Ram Pandit, Small Industry Promotion Officer, Small Industries Service Institute, Srinagar, to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Branch Institute, Solan (Under Small Industries Service Institute, Ludhiana on an *ad-hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 22-9-1973.

K. V. NARAYANAN,  
Deputy Director (Admn.)

**DEPARTMENT OF SUPPLY  
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &  
DISPOSALS**

New Delhi, the 18th January 1974

No. A/17011(62)/73-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri A. B. Sen, Examiner of Stores (Engg) in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the same circle w.e.f. the forenoon of the 14-12-73 until further orders.

S. K. JOSHI,  
Deputy Director (Admn.)  
For Director General of Supplies & Disposals

**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT  
TUTICORIN HARBOUR PROJECT**

Tuticorin-4, the 14th December 1973

No. A. 22013/1-73/Admn/5601.—Dr. S. Radhakrishnan, Civil Assistant Surgeon of Tuticorin Harbour Project has resigned the post of Civil Assistant Surgeon. His resignation has been accepted and he has been relieved of his duties with effect from the forenoon of 3rd December, 1973.

D. I. PAUL,  
Chief Engineer & Administrator

**CENTRAL WATER & POWER COMMISSION  
(POWER WING)**

New Delhi-22, the 14th January 1974

No. 6/1/73-Adm.II(PW)-Vol.II.—The Chairman, Central Water & Power Commission hereby appoints the following Graduate Engineers to the grade of E.A.D./A.E. of Central Power Engineering (Class II) Service with effect from the dates shown against each :—

1. Shri B. Bhaskar Rao 11-12-73 (FN).
2. Shri O.P. Arora 18-12-73 (FN).

GIAN CHAND,  
Section Officer

**(WATER WING)**

New Delhi-22, the 15th December 1973

No. 19012/444/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri Ram Rattan Sharma to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) on an *ad-hoc* basis, with effect from 23-10-73 (F.N.) until further orders.

Shri R. R. Sharma took over charge of the office of Baglihar Sub-Division No. II, Batote of Bursar Investigation Division, C.W. & P.C. Kishtwar from the above date and time.

No. 19012/439/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri N. Nagarajan, to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water & Power Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant Engineer Assistant Research Officer (Engg.) on an *ad-hoc* basis, with effect from 13-11-73 (AN) until further orders.

Shri N. Nagarajan took over charge of the office of Assistant Engineer, Sholapur Gauging Sub-Division, Central Water & Power Commission, Sholapur from Shri L. Annamala, Assistant Executive Engineer, Miraj Gauging Sub-Division, Miraj who as holding the dual charge of Sholapur Gauging Sub-Division, in addition to his own duties with effect from 13-11-1973 (A.N.).

K. P. B. MENON,  
Under Secretary  
Central Water and Power Commission

New Delhi, the 16th January 1974

No. A-32012/6/70-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-32012/6/70-Adm. V, dated 19-11-73, the Chairman, Central Water and Power Commission, hereby appoints the following Research Assistants to the grade of Assistant Research Officer, (Engineering) in the Central Water & Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900, in a purely temporary and *ad-hoc* basis for a further period of 3 months or till such time as the posts are filled on regular basis by the Union Public Service Commission nominees/reversion of officers promoted as *ad-hoc* Research Officer whichever is earlier, with effect from the dates noted against each :—

1. Shri L. B. Bhide	12-1-74.
2. Shri K. N. Appukuttan.	10-1-74.
3. Shri S. N. Mone	10-1-74.
4. Shri J. B. Shaligram.	10-1-74.
5. Shri M. S. Shitole	10-1-74.
6. Shri Satirtha Guha	10-1-74.

K. P. B. MENON,  
Under Secretary,  
For Chairman, C.W. & P. Commission,

## NORTH EASTERN COUNCIL

Shillong, the 20th November 1973

No. NEC.216/73.—On his services having been placed at the disposal of the North Eastern Council on deputation by the General Manager, North East Frontier Railway, Pandu (Maligaon), Shri A. K. Ghosh, Deputy Chief Commercial Superintendent, North East Frontier Railway, Maligaon, is appointed as Deputy Director (Railways), in the North Eastern Council Secretariat, in the scale of pay of Rs. 1300-60-1600/- p.m. with other allowances as may be admissible from time to time with effect from 14-11-73 (FN) after availing of joining time from 10-11-73 to 13-11-73.

2. The officer may either elect to draw pay in the Central scale of pay of the deputation post (as may be fixed under normal rules) or elect to remain in the existing pay scale of his parent department plus deputation (duty) allowance at the rate of 20% of the grade pay plus other allowances as admissible under rules. The terms of deputation will be regulated by the standard terms of deputation as contained in the Annexure to the Ministry of Finance (Dept. of Expenditure) O.M. No. 1(6)E.IV(A)/62 dated 7-12-1962. The pay plus deputation (duty) allowance cannot however exceed the maximum of the deputation post. The option once exercised shall be final.

3. The deputation will be initially for a period of one year with effect from 14-11-73 (FN).

D. K. BHATTACHARYA,  
Secretary,  
North Eastern Council, Shillong.

## EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 28th December 1973

No. E. 248/GAZ/IRTS/JS.—Shri D. Topno, Asstt. Commr. Officer/Koilaghat is confirmed in the Junior Scale cadre of Indian Railway Traffic Service on this Railway with effect from 30-11-1973.

V. P. SAWHNEY.  
General Manager.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY  
GENERAL MANAGER'S OFFICE  
(PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 11th January 1974

No. E/55/III/90(0).—Shri B. B. Sen Gupta, Officiating Senior Personnel Officer/Pay Commission is confirmed in the Class II service as Assistant Personnel Officer with effect from 9-2-1973.

M. R. REDDY,  
General Manager.

## INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 14th January 1974

No. F. 48-Ad(AT)/73.—Shri R. C. Srivastava, Senior Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for a period from 1-10-1973 to 31-12-1973 (afternoon) *vide* this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/73 dated 12-9-1973, is permitted to continue to officiate on *ad-hoc* basis in a tem-

porary capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of six months with effect from 1-1-1974 to 30-6-1974 or till the post is filled on a regular basis by appointment of a nominee of Union Public Service Commission, whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR  
President.

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ORISSA, BHUBANESWAR.

Bhubaneswar, the 10th January 1974

No. Ad. I-1/73-74.—In partial modification of this Office Notification dated 22-8-1973 Sri A. C. Behura, Income-tax Officer, Dhenkanal was granted Earned Leave for 34 days from 14-5-73 to 16-6-73 with permission to prefix 12-5-73 and 13-5-73 and suffix 17-6-73 which were holidays to the leave.

2. Sri B. C. Mohanty, Income-tax Officer, Ward-C, Cuttack was appointed to hold the charge of Income-tax Officer, Dhenkanal during the absence of Sri Behura on leave in addition to his own duties.

3. On expiry of leave, Sri A. C. Behura took over charge of Income-tax Officer, Dhenkanal as such on the forenoon of 18th June, 1973 relieving Sri Mohanty of the additional charge.

M. W. A. KHAN,  
Commissioner of Income-tax, Orissa,  
Bhubaneswar.

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 9th January 1974

Establishment Order No. 6/74.—Shri Z. Khwaja, an officiating Superintendent of Central Excise, Class II in the office of the Collector of Central Excise, Nagpur is confirmed in the grade of Superintendent Class II in this Collectorate with effect from 5th July 1972 in the vacancy caused due to the retirement of Shri K. G. Pathak, Permanent Superintendent Class II.

R. N. SHUKLA,  
Collector.

Bombay-400001, the 28th December 1973

CUSTOMS

No. 24.—Shri Ashok Kumar Choudhury is appointed as Appraiser in the Bombay Custom House with effect from 15-12-1973 (FN), and until further orders.

M. R. RAMACHANDRAN,  
Collector of Customs, Bombay.

Kanpur, the 3rd November 1973

No. 95/73.—This office notification No. 50/73 dated 28-7-73 is hereby cancelled.

2. Late Shri J. D. Tinku, Assistant Collector, Central Excise, Ghaziabad handed over charge of his duties to Shri H. Varma, Assistant Collector, Central Excise, Meerut in the forenoon of 20-3-73 and proceeded on leave from 20-3-73 to 5-4-73.

3. Shri J. D. Tinku (Late) expired in the forenoon of 5-4-73. —1

The 11th January 1974

No. 7/74.—Consequent upon the completion of his training and posting as Superintendent class I, Sri K. K. Agarwal took over charge of the office of the Superintendent (TECH) class I Central Excise, division Gazia-bad in the forenoon of 19-11-73 relieving Sri H. K. Singh Bhandari, Superintendent of his additional charge.

J. DATTA,  
Collector.

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, MADRAS-6**

Madras-6, the 7th December 1973

**CORRIGENDUM**

F. No. 318/72-73.—In the notice under Section 269 D(1) dated 3-9-1973 published in the Gazette of India, Part III, Section I dated 22-9-1973 at page 4141 typographical errors have crept in.

Please read the transferee's name as V. A. Haseeb & Co., instead of M/s. V. A. Haneef & Co., and Transferee's guardian name as V. M. Athanulla instead of V. M. Anwarullah.

Dated : 7-12-1973.

Seal.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-I,  
Madras-6.

**OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Brothers Benefit Private Limited.

Ahmedabad, the 11th September 1973

No. 1575/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Brothers Benefit Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

7—436GI/73

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. The Bhagyodaya Iron & Brass Works Private Limited.

The 13th September 1973

No. 507/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s The Bhagyodaya Iron & Brass Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s H. J. PARikh Industries Private Limited.

The 13th September 1973

No. 1209/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. H. J. PARIKH Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Dashi Industry Private Limited.

The 19th January 1974

No. 1315/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Doshi Industry Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA,  
Registrar of Companies, Gujarat.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Sri Venkata Durga Enterprises Limited.

Hyderabad-1, the 8th January 1974

No. 1270/T(460).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sri Venkata Durga Enterprises Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN,  
Registrar of Companies, Andhra Pradesh.

## FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II AYAKAR  
BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 29th January 1974

Ref. No. AR-II 701/1454/73-74.—Whereas, I.G.N. Sadhu, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Survey No. 20 Hissa No. 2(Pt.), situated at Village Deonar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-8-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transference for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Gajanan Hari Kelkar & Shri Nilkanth Hari Kelkar.  
ouc (Transferor)
- (2) M/s. Shreyas Art Printers Pvt. Ltd.  
Date : 29th January 1974.
- (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL that piece or parcel of land or ground hereditaments and premises together with a building and well standing thereon situate at Village Deonar, Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra (formerly Taluka South Salsette) in the Bombay Suburban District admeasuring including area for road widening about 2026 Square Yards equivalent to 1694 Square Metres (5% less or more) and bearing Survey No. 20 (part) and Hissa No. 2 (part) bearing Plot No. 2 of the said Survey No. 20 and bounded as follows : That is to say On or towards the EAST by the property of Tata Demographic Centre, On or towards the WEST by Station Road Govandi, On or towards the SOUTH by the property of Tata Demographic Centre and On or towards the NORTH by the property of Vitamin and Pharmaceutical Corporation (India) Limited And delineated on the Plan thereof hereto annexed and thereon shown surrounded by Red coloured boundary lines.

G. N. SADHU,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay.

Date : 29th January 1974.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE HUBLI,  
METRANI BUILDING, VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 30th January 1974

Notice No. 57/73-74/H.Acq.—Whereas, I R. Parthasarathy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli,

being the Competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. Nos. 404 and 405/1 situated at Ward No. 1, Keshavapur, Hubli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli on 6-8-1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. B. Neeli, Advocate, Bardan Galli, Hubli.  
(Transferor)

- (2) (1) Messrs. Pradeep Brothers, Cotton Merchants and Commission Agents, West Patent Press Compound, Station Road, Hubli, through its partners.
- (2) Shri Siddappa Honkerappa Sapare.
- (3) Shri Prakash Siddappa Sapare.
- (4) Shri Satishchandra Siddappa Sapare.
- (5) Kumar Pradeep Siddappa Sapare, Minor by guardian and father Shri Siddappa H. Sapare, Care of Messrs. Pradeep Brothers, Cotton Merchants and Commission Agents, West Patent Press Compound, Station Road, Hubli.

cyt

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land with an old building in Ward No. I, Hubli City Keshavapur in C.S. No. 404 and C.S. No. 405/1. Boundaries : On the East : CST. No. 365/4A, 371/1 & 378/5.

On the West : Municipal Road and thakur's Bungalow / CTS No. 405/2.

On the North : Fatima High School.

On the South : CTS. No. 394/A, 394/B, 406/1, 406/2 and 403.

R. PARTHASARATHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hubli.

Date : 30-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Harbans Lal Mehra S/o Sri Durga Das Mehra,  
20/80, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 31st January 1974

Ref. No. Acq./40/Agra/73-74/2557.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as in schedule situated at Fatehabad Road, Tajganj, Agra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Agra on 10-8-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Principal Officer, Northern India Hotel Ltd. B-7/3, Asaf Ali Road, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE.**

Land measuring 17 biswas and ten biswansi of khasra Nos. 909 (11 biswas) and 910 (16 biswas and 10 biswansi) situated at Fatehabad Road, Tajganj (in the village of Basai Mustakil) at Agra.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 31-1-1974  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

HUBLI

METRANI BUILDING, VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 30th January 1974

Notice No. 59/73-74/H.Acq.—Whereas, I. R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hubli, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 125/1A situated at Murnal Village, Bagalkot.

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bagalkot, on 5-12-1973, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Dongarisab Utalasab Valikar, Resident of Murnal, Bagalkot Taluk, Bijapur District.  
(Transferor)

- (2) (1) Shri S. B. Hallur Murnal.
- (2) Shri V. G. Sulakhe, Tailor, Bagalkot.
- (3) Shri V. B. Zingade, Tailor, Bagalkot.
- (4) Shri L. J. Ambore Tailor Bagalkot.  
Iqua  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Non-Agricultural Land with R.S. No. 125/1A on Bagalkot-Belgaum road measuring 24 acres, a part of which has been divided into 42 plots of various sizes ranging from 55'×70' to 60'×120' situate in Murnal Village Bagalkot Taluk, Bijapur District.

**R. PARTHASARATHY,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range,  
Hubli.

Date : 30-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Veerabasappa Andaneppe Ballolli, Mangalwarpet, Hubli. (2) Shri Gurappa Andaneppe Balloli, Mangalwarpet Hubli.  
(Transfers)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE HUBLI,  
METRANI BUILDING, VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 30th January 1974

Notice No. 58/73-74/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 122/36 situated at Ward No. III, New Cotton Market, Hubli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli, on 10-8-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(2) Shri Shankarappa Ningappa Ganjigatti, At and Post Office Kabanpur, Shiggaon Taluk, Dharwar District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Plot of Land Measuring 765.5 Square yards with a small tiled building at the corner in Ward No. III, C.S. No. 122/36, New Cotton Market, Hubli City.

R. PARTHASARATHY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range,  
Hubli.

Date : 30-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
 GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
 ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156.  
 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th January 1974

Ref. No. FZK/970/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Arniwala, Shekh Subhan and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in August, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Ghansham Das, attorney for (1) Shri Tehla Ram, s/o Shri Mohri Ram, Resident of Village Arniwala, Shekh Subhan, Tehsil Fazilka.  
 (Transferor)

- (2) (1) Shri Subhash Chand, s/o Shri Gokal Chand,  
 (2) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Dewan Chand, Residents of Village Arniwala, Shekh Subhan, Tehsil Fazilka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land situated at Village Arniwala, Shekh Subhan, Tehsil Fazilka.

(Property as mentioned in the registered deed No. 1450 of August, 1973 of the Registering Officer, Fazilka).

G. P. SINGH,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range,  
 Chandigarh.

Date : 30-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
CHANDIGARH 156 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th January 1974

Ref. No. BTA/1401/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building No. 2-B, Civil Lines, situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in September, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nachhatar Singh Advocate s/o Shri Hardam Singh, Mandi Phool, District Bhatinda.  
(Transferor)

- (2) (1) Shri Manohar Singh, s/o Shri Ajmer Singh, (2) Shri Surinder Pal Singh, s/o Shri Manohar Singh, Residents of 2-B, Civil Lines, Bhatinda.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ Share in Residential Building No. 2-B, Civil Lines, Bhatinda.

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 30-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156  
SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th January 1974

Ref. No. BTA/1402/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building No. 2-B Civil Lines, situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in September, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Shri Kehar Singh, s/o Shri Banta Singh (2)  
Smt. Jagdish Kaur, w/o Shri Baldev Singh, care of  
Shri Manohar Singh, Building No. 2-B, Civil Lines,  
Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

I share in residential building No. 2-B, Civil Lines, Bhatinda.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Nachhatr Singh Advocate, Mandi Phool, District Bhatinda.

(Transferor)

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 30-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156.  
SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th January 1974

Ref. No. RITA/1406/73-74.—Whereas, I. G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Guniana Road, Ganesha Basti situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in September 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration (herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Bachna Ram, (2) Shri Bhagat Ram, sons of Shri Ronak Ram, Residents of Village Talwandi Saboo, District Bhatinda.

(Transferor)

(1) Shri Mohan Lal, s/o Shri Nathu Ram,

(2) Smt. Sarla Rani, w/o Shri Baghan Dass,

(3) Smt. Prakash Wati, w/o Shri Som Nath,

(4) Smt. Indra Rani w/o Shri Dev Raj, c/o M/s Parshotam Tea Store, Satta Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Piece of land measuring 554 sq. vds. on the Guniana Road, Ganesha Basti.

(Property as mentioned in the registered deed No. 4120 of September, 1973 of the Registering Officer, Bhatinda).

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 30-1-1974.

Seal

## FORM IIINS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th January 1974

Ref. No. BIA/1407/73-74.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, Power House Road situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in September, 1973, for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramji Dass s/o Shri Kaka Ram, (2) Shri Jagat Ram, s/o Shri Harnam Dass, Kot Kapura. (3) Shri Ram Niwas, s/o Shri Mangat Ram, c/o M/s Jai Hind Mills Store, Railway Road, Bhatinda. (4) Sh. Jagdish Parshad through Shri Ram Kishan his attorney.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Santosh Grover, w/o Shri Om Parkash Grover, (2) Smt. Kiran Garg, w/o Shri Shiv Charan Garg, (3) Smt. Salochna Goel, w/o Shri Om Parkash Goel, (4) Shri Sant Ram, s/o Shri Gopal Dass, (5) Smt. Savitri Garg, wd/o Shri Charan Dass Garg, (6) Shrimati Veena Goel, w/o Shri Mohan Lal Goel, (7) Smt. Shanti Rani, w/o Shri Har Prakash Saxena, c/o Shri Om Parkash Grover, National Insurance Company, Dhobi Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land, Power House Road, Bhatinda.  
(Property as mentioned in the registered deed No. 4130 of September, 1973 of the Registering Officer, Bhatinda).

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax  
Acquisition Range,  
Chandigarh

Date : 30-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th January 1974

Ref. No. BTA/1408/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 land, situated at Muktsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Muktsar in September, 1973,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagraj Singh s/o Shri Lal Singh, Resident of Muktsar.  
(Transferor)

- (2) (1) Shri Bihari Lal, s/o Shri Thakur Dass.
- (2) Shrimati Gian Devi, w/o Shri Ramji Dass.
- (3) Shri Bhag Ram son of Shri Behari Lal.
- (4) Shri Mehar Chand son of Shri Behari Lal.
- (5) Shri Madan Lal, s/o Shri Lal Chand.
- (6) Shri Bhagat Ram s/o Shri Jai Lal.
- (7) Shri Mithan Lal, s/o Shri Kishore Chand
- (8) Shri Shekhar Kumar, s/o Shri Sohan Lal.
- (9) Shri Jatinder Kumar s/o Shri Sohan Lal.
- (10) Shrimati Thakri Devi, w/o Shri Jagran Nath, Happy Nest, Muktsar, District Faridkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**'THE SCHEDULE**

Land at Muktsar measuring 8 kanal 17 marlas, Khasra No. 2843/2/1 and 2849/1/2.

(Property as mentioned in the registered deed No. 2410 of September, 1973 of the Registering Officer, Muktsar).

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 30-1-1974.

Seal :

## FORM NO. IINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th January 1974

Ref. No. BTIA/1409/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Distt. Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in September 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Balbir Singh,  
(2) Shri Balwant Singh,  
(3) Shri Mohinder Singh,  
Residents of Gull Patti, Bhatinda.

(Transferor)

(2) (1) Shri Angrej Singh s/o Shri Kartpal Singh,  
(2) Shri Pritam Singh s/o Shri Kartpal Singh,  
(3) Shri Sajjan Singh, s/o Shri Kala Singh,  
(4) Shri Jagroop Singh s/o Shri Harnam Singh,  
(5) Shri Nasib Singh, s/o Shri Nihal Singh, Residents of Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, 20 Kanal O Marla, Khata No.'s	438	487
	12-16	7-4

(Property as mentioned in the registered deed No. 3780 of September, 1973 of the Registering Officer, Bhatinda).

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 30-1-1974.

Seal :-

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th January 1974

Ref. No. BIA/1403/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Bibi Wala Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer an at Bhatinda in October, 1973.

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Som Nath, s/o Shri Ronak Ram, General attorney to :—

- (i) Smt. Satya Devi w/o Shri Som Dutt, (Transferor)
- (ii) Smt. Alka Gargi,
- (iii) Smt. Amita Gargi, daughters of Shri Som Nath, c/o Gupta Traders, Hospital Road, Sadar Bazar, Bhatinda.
- (2) (1) Shri Bodh Raj, s/o Shri Shri Ram (Transferee)
- (2) Shri Jagan Nath, } sons of Shri Nand Ram,
- (3) Shri Kaur Chand, }
- (4) Shri Des Raj,
- (5) Shri Parshotam Dass s/o Shri Milki Ram,
- (6) Shri Kewal Krishan, s/o Shri Milki Ram,
- (7) Shri Om Parkash, s/o Shri Nand Lal,
- (8) Shri Madan Lal, s/o Shri Bihari Lal, c/o Shri Parshotam Dass, Advocate, Hospital Bazar, Bhatinda.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land situated on Bibi Wala Road connecting the city to Barnala Road.

(Property as mentioned in the registered deed No. 4452 of October, 1973 of the Registering Officer, Bhatinda).

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 30-1-1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh the 30th January 1974

Ref. No. BTA/1404/73-74.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land, Guniana Road situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhatinda in October, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nasib Chand, s/o Shri Ghutra Mal c/o M/s Nasib Chand Hari Chand, Jewellers, Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

2. (1) Shri Om Parkash, s/o Shri Jagan Nath.
- (2) Shri Chiranjit Lal, s/o Shri Hira Lal.
- (3) Shri Tara Chand, s/o Shri Thakur Dass
- (4) Shri Des Raj, s/o Shri Gauri Shanker.
- (5) Shri Madan Lal, s/o Shri Brij Lal.
- (6) Smt. Asha Devi w/o Shri Madan Lal.
- (7) Smt. Naina Devi, w/o Shri Paras Ram.
- (8) Shri Ashok Seth, s/o Shri Ram Prakash.  
c/o M/s Burtons, Show Room Dhobi Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land situated on Guniana Road, Bhatinda.  
(Property as mentioned in the Registered deed No. 4455 of October, 1973 of the Registering Officer, Bhatinda).

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 30-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh the 30th January 1974

Ref. No. BTA/1405/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, Guniana Road, situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda, in October 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hari Chand, s/o Shri Ghuntra Mal, c/o M/s Nasib Chand, Hari Chand, Jewellers, Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

- [2. (1) Shri Om Parkash, s/o Shri Jagan Nath,
- (2) Shri Chiranjit Lal, s/o Shri Hira Lal,
- (3) Shri Tara Chand, s/o Shri Thakur Dass,
- (4) Shri Des Raj, s/o Shri Gauri Shanker,
- (5) Shri Madan Lal, s/o Shri Brij Lal,
- (6) Shrimati Asha Devi, w/o Shri Madan Lal,
- (7) Shrimati Naina Devi, w/o Shri Paras Ram,
- (8) Shri Ashok Seth, s/o Shri Ram Prakash c/o M/s Burton, Show Room, Dhobi Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land situated on Guniana Road, Bhatinda.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4456 of October, 1973 of the Registered Officer, Bhatinda).

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 30-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th January, 1974

Ref. No. BTA/1410/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land, Power House Road, situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Bhatinda in October, 1973. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

9—436GI/73

- (1) Shri Ramji Dass, s/o Shri Kaka Ram,
- (2) Shri Jagat Ram, s/o Shri Harnam Dass,
- (3) Shri Ram Niwas, s/o Shri Mangat Ram, c/o M/s Jai Hind Mill's Store Railway Road, Bhatinda.
- (4) Shri Jagdish Parshad through Shri Ram Kishan his attorney.  
Kot Kapura.

(Transferor)

- (1) Smt. Santosh Grover, w/o Shri Om Parkash Grover,
- (2) Smt. Kiran Garg w/o Shri Shiv Charan Garg,
- (3) Smt. Salochna Goel, w/o Shri Om Parkash Goel,
- (4) Shri Sant Ram, s/o Shri Gopal Dass,
- (5) Smt Savitri Garg, wd/o Shri Charan Dass Garg,
- (6) Shrimati Veena Goel w/o Shri Mohan Lal Goel,
- (7) Smt. Shanti Rani, w/o Shri Har Prakash Saxena, c/o Shri Om Prakash Grover National Insurance Company, Dhobi Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land, Power House Road, Bhatinda.

(Property as mentioned in the registered deed no. 4145 of September, 1973 of the Registering Officer, Bhatinda).

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 30-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Life Insurance Corporation of India.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 21st January 1974

Ref. No. AC-80/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/NC situated at Block 'B' New Alipore Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar Alipore Sadar on 10-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such a parent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(2) Hindusthan Building Society Ltd. (as confirming party) both of 4, Chittaranjan Avenue, Calcutta-13.  
(Transferor)

(2) Shri Sailendra Kumar Mitra and Shri Gopal Chandra Majumdar H/48 C.I.T. Building Christopher Road, Calcutta-14.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 7.01 Cottahs being plot No. 27/NC in Block 'B' New Alipore, Calcutta.

M. N. TIWARY,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, P-13, Chowringhee Square,  
Calcutta

Date : 21-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS

(2) M/s Bangur Land Development Corporation Ltd.  
5, Despran Sasmal Road, Calcutta-33.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 21st January 1974

Ref. No. AC-81/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 162 situated at Prince Anwar Sah Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jt. Sub-Registrar of Alipore at Behala, on 31-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gobind Lal Bangur, 65, Sir Hari Ram Goenka Street, Calcutta-7.  
(Transferor)

- (2) M/s Bangur Land Development Corporation Ltd.  
5, Despran Sasmal Road, Calcutta-33.  
(Transferee)
- (3) Smt. Mukta Keshi Mullick, Village & P.O. Kan-karadara, P. S. Khatra, Dist. Bankura. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 5 cottahs 6 ch. 3 sft. at 162, Prince Anwar Sah Road, Khatian No. 112, 823 & 723 C.S. Dag No. 239, 54 Mouza Arakpur, P. S. Tollygunge, Calcutta.

M. N. TIWARY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
P-13, Chowringhee Square Calcutta-1

Date : 21-1-1974.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gobind Lal Bangur, 65, Sir Hari Ram Goenka Street, Calcutta-7.  
(Transferor)

(2) M/s. Bangur Land Development Corp. Ltd., 5, Despran Sasmal Road, Calcutta-33.  
(Transferee)

(3) 1. Shri Hiralal Mallick; 2. Shri Mohanlal Mullick both of Kankradara, P. S. Khatra, Dist. Bankura.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 21st January 1974

Ref. No. AC-82/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 162 situated at Prince Anwar Sah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jt. Sub Registrar of Alipore at Behala on 31-7-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 5 Cottahs 3 Ch. 2 sft. at 162, Prince Anwar Sah Road, Mouza Arakpur, P.S. Tollygunge, Khata No. 112, C.S. Dag No. 239.

M. N. TIWARY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 21-1-74.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-I

Calcutta-I, the 21st January 1974

Ref. No. AC-83/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 68/4/F situated at Purna Das Road, P.S. Tollygunge, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub Registrar, Alipore Sadar on 18-7-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1)

of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tarit Prakash Banerjee, 19/1/B, Keyatala Lane, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) Shri Som Nath Banerjee, 59, Mahenirvan Road, Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 4 cottahs at 68/4, Manoharpukur Road now re-named 68/4/F, Purna Das Road, P.S. Tollygunge, Calcutta.

M. N. TIWARY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-I

Date : 21-1-74.

Seal :

## FORM ITNS

(2) 1. Shri Prafulla Kumar Basu 59B, Hindustan Park, Calcutta-29.  
 2. Smt Nilima Basu.  
 3. Debasish Basu.  
 4. Snehashish Basu.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 22nd January 1974

Ref. No. AC-84/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at Ballygunge Terrace, Calcutta-19, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar, Alipore, 24-Parganas on 7-7-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Ranjit Narayan Choudhury, 79, Ballygunge Gardens, Calcutta-19.  
 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant plot of land bearing No. 4, Ballygunge Terrace, Calcutta-19, Area 4 Kattahs 2 Chittacks.

M. N. TIWARY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 22-1-1974

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sri Lakshmi Niwas Bangur 65, Sir Hari Ram  
Gocoka Street, Calcutta-7.  
(Transferor)

(2) Bangur Land Development Corporation Ltd. 5,  
Deshpran Sasmal Road, Calcutta-33.  
(Transferee)

(3) 1. Smt Uma Mukherjee, 18/2, Family Quarter,  
Batanagar, P.O. Mahestolla, Dist. 24-Parganas.  
2. Shri S. K. Basu Mullick, 10, Mahanirvan Road,  
Calcutta-29.  
Person whom the undersigned knows to be interested  
in the Property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land area being 4 K. 13 Ch. 9 sft. in Kh. No. 562 part of C.S. Dag No. 86 & 87 Mouza Arokpur Premises No. 164 P. A. Shah Road, P. S. Tollygunge, Calcutta.

M. N. TIWARY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1,

Date : 22-1-1974.

Seal :

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta-1, the 22nd January 1974

Ref. No. AC-85/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 164 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Joint Sub-Registrar of Alipore, Calcutta on 19-7-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-1, the 22nd January 1974

Ref. No. AC-86/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I. M. N. Tiwary being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 164 situated at Prince Anwar Sah Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Alipore Sadar on 7-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Benugopal Bangur & Sri Sriniwas Bangur 16, Alipore Road, Calcutta-27.  
(Transferor)
- (2) M/s. Bangur Land Development Corporation Ltd., 5, Despran Sasmal Road, Calcutta-33.  
(Transferee)
- (3) Shri S. K. Chatterjee, Flat No. 25, King's Court 46B, Chowringhee Road, Calcutta-16.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of

30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land measuring 5 cottahs 6 ch. 16 sft. at 164, Prince Anwar Sah Road, P. S. Tollygunge, Calcutta Mouza Arakpur Khata No. 580 C. S. Dag No. 69.

M. N. TIWARY,

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 22-1-1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Subrata Chowdbury 3/23, R. K. Chatterjee  
Road, Calcutta-42.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II

CALCUTTA

Calcutta-1, the 22nd January 1974

Ref. No. Ac-87/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 situated at Pratapaditya Place Calcutta-26, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at District Registrar Alipore on 23-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Dr. Narendra Chandra Banerjee 3/A, Hindustan Road, Calcutta-29.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land measuring 3 Cottahs 4 Ch. 34 sft. at all,  
11 Pratapaditya Place P. S. Tollygunge, Calcutta-26.

M. N. TIWARY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II.  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 22-1-1974.

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th January 1974

Ref. No. Acq.23-I-11/16-6/73-74. Whereas, I. J. Kathuria, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 606/20/A-2 College Wadi Sheri No. 2/8, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 11-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Smt. Shaheruben Rustamji Khansaheb,
- (2) Feni Keki Daruwala,
- (3) Lily Rusi Mistri,
- (4) Smt. Gulkhushru Batliwala,
- (5) Smt. Julu Nevil Wadia
- (6) Shri Fezar Rustamji Khansaheb,
- (7) Shri Sabar Rustamji Khansaheb,
- (8) Miss Bepsy Rustamji Khansaheb,
- (9) Shri Viraf Rustamji Khansaheb,

All legal heirs of late Shri Rustamji Navrojji Khansaheb 2/8, College Wadi, Rajkot.  
(Transferor)

- (2) (1) Shri Soni Vithaldas Laljibhai, (2) Shri Soni Jagjivan Laljibhai, Municipal Colony, Sheri No. 6, Porabandar.

(Transferee)

- (3) (1) Shri Patel Bavanji Velji, (2) Shri Gadhwani Kalaram, (3) Shri Ghanshyam Madhubhai (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One building built on Survey No. 606/20/A-2 having an area of 405-8-0. Sq. Yds. and situated at College Wadi, Sheri No. 2/8, Rajkot and bounded as under:—

North : Open space.  
South : Property of Shri Shantilal Gulabrai Mankodi.  
East : College Wadi Sheri No. 8.  
West : Public Road.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 24-1-1974.

Seal :

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
ADVERTISEMENT NO. 5**

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 x 10 cm name of post for which forms are may remit fee in the case of genuinely indigent and *bona-fide* displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate with separate fee required for each post. may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes), 4th March, 1974 (18th March, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

Posts at S. No. 13 permanent. Posts at S. Nos. 2, 12 and 15 permanent but appointment will be made on temporary basis. Posts at S. No. 14 temporary but likely to continue indefinitely and be made permanent. Posts at S. Nos. 3, 4, 5, 6, 7, 8 and 9 temporary but likely to continue indefinitely. Post at S. No. 1 temporary. Posts at S. Nos. 10 and 11 sanctioned temporarily on *ad-hoc* basis with no guarantee of absorption in the regular cadre.

4 posts at S. No. 10 and 1 post at S. No. 11 reserved for Scheduled Castes candidates but will be treated as unreserved if no suitable Scheduled Castes candidates are available. 2 posts at S. No. 10 and 1 post at S. No. 11 reserved for Scheduled Tribes candidates but will be treated as unreserved if no suitable Scheduled Tribes candidates are available. 2 posts at S. No. 13 reserved for Scheduled Castes candidates, failing which reserved for Scheduled Tribes candidates and failing both to be treated as unreserved. 1 post at S. No. 13 reserved for Scheduled Tribes candidates, failing which reserved for Scheduled Castes candidates and failing both to be treated as unreserved.

1 post at S. No. 13 reserved for Emergency Commissioned Officers/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces on or after 1.11.62 but before 10.1.68 or who had joined any pre-Commission training before the later date, but who were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to Military Service/due to be released, if available; otherwise to be treated as unreserved.

**1. One Director (Petroleum), Planning Commission,** Pay.—Rs. 1300-60-1600-100-1800. **Age Limit.**—45 years. **Qualifications.**—*Essential.*—(i) at least Second Class Degree in Chemical Technology/Oil Technology/Petroleum Technology/Chemical Engineering Or At least Second Class Master's Degree in Geology from a recognised University or equivalent. (ii) About 8 years experience in various aspects of Petroleum Industry like exploration or planning or production or refining of petroleum of which 2 years' should be in examination of technical/economic and other aspects of petroleum industry and/or preparation/evaluation of feasibility reports.

**2. One Professor in Mathematics, Delhi College of Engineering, Delhi, Delhi Administration.** Pay.—Rs. 1100-50-1300-60-1600. **Age Limit.**—45 years. **Qualifications.**—*Essential.*—(i) Doctorate degree in Mathematics of a recognised University or equivalent. (ii) At least 8 years' experience in research/development/teaching (including at least three years experience in teaching of degree/post-graduate classes).

**3. One Principal Scientific Officer for Aeronautical Development Establishment, Bangalore, Research and Development Organisation, Ministry of Defence.** Pay.—Rs. 1100-50-1200-100-1500. **Age.**—Preferably below 45 years. **Qualifications.**—*Essential.*—(i) At least Second Class Degree in Aeronautical/Mechanical/Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 6 years' experience in the Aerodynamics Division of a factory/Research & Development Establishment of which at least 3 years must be in a responsible directing and administrative capacity. The experience should cover aircraft performance estimation and aerodynamic design studies on target drones and RPVs.

**4. One Joint Director (Regional Accounts and Analysis), Planning Commission.** Pay.—Rs. 1100-50-1400. **Age Limit.**—45 years. **Qualifications.**—*Essential.*—(i) Master's Degree in Economics or Econometrics. (ii) Adequate experience of preparation of regional input-output models and construction of regional accounts. (iii) Knowledge of the process of plan formulation at national, State and sub-State levels with acquaintance of the data base necessary for construction of models. (iv) Evidence of original published works in reputed Indian and foreign journals.

**5. One Director of Civil Defence (Medical), Directorate General of Health Services, New Delhi, Ministry of Health & Family Planning (Department of Health).** Pay.—Rs. 1300-60-1600. **Age Limit.**—50 years. **Qualifications.**—*Essential.*—(i) A medical qualification included in the First or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule (other than licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956. Holders of educational qualifications included in Part II of the Third Schedule should also fulfil the conditions stipulated in Section 13(3) of the Indian Medical Council Act, 1956. (ii) Post-graduate qualifications in Medicine, Surgery or Public Health or equivalent. (iii) 12 years' standing in the profession with considerable experience in administration. (iv) Experience of running a big civil or military hospital and in organising civil defence.

**6. One Pathologist, Hospital for Mental Diseases, Ranchi, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health).** **Specialists' Grade of the Central Health Service Class I.** Pay.—Rs. 600-40-1000-EB-50-1300 plus N.P.A. @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/-p.m. **Age Limit.**—45 years. **Qualifications.**—*Essential.*—(i) Same as (i) in item 5 above. (ii) Post-graduate qualifications in Pathology viz. M.D. (Path.); M. D. (Path. & Bact.); M. Sc. (Path. & Bact.); M. Sc. (Path.); Ph.D. (Path. & Bact.); D.Sc. (Path. & Bact.); DCP; DPB or equivalent (iii) At least 3 years'/5 years' experience in a responsible

position connected with the speciality in case of Post-graduate Degree/Diploma holders respectively.

**7. One Senior Scientific Officer, Grade J for Institute of Armament Technology, Poona, Ministry of Defence.** Pay.—Rs. 700-40-1100-50/2-1150. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) At least Second Class Master's Degree in Mathematics or Operation Research of a recognised University or equivalent. (ii) About four years' teaching or research experience in Operation Research, Systems Analysis and Simulation Techniques.

**8. One Microbiologist, Central Food Laboratory, Calcutta, Directorate General of Health Services, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health).** Pay.—Rs. 700-40-1100-50/2-1150. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Master's Degree in Microbiology/Bio-chemistry or degree in Food Technology of a recognised University or equivalent. (ii) About five years' Research/Laboratory experience in Microbiology/Bacteriology.

**9. One Lady Lecturer in Library Science Government Polytechnic for Women Chandigarh, Department of Technical Education, Union Territory Chandigarh.** Pay.—Rs. 400-30-700-40-1100. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(A) (i) Second Class Master's Degree. (ii) Second Class Bachelor's Degree or Diploma in Library Science. Or (B) (i) Master's Degree in Library Science. (ii) 5 years' experience of working in a University or Research Library in a responsible capacity as Librarian or Assistant Librarian.

**10. Twenty Six Assistant Executive Engineers (Civil), Ministry of Shipping and Transport (Roads Wing).** Pay.—Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Civil Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) Two years' practical experience in the field of design, maintenance and construction of Roads/Bridges.

**11. Six Assistant Executive Engineers (Mechanical), Ministry of Shipping and Transport (Roads Wing).** Pay.—Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Two years' practical experience in the field of procurement/repairs and maintenance of road building machinery, earth moving equipment and machinery used at bridge construction sites.

**12. One Lecturer in Mathematics, Delhi College of Engineering, Delhi, Delhi Administration.** Pay.—Rs. 400-40-800-50-950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—At least Second Class M.A./MSc. degree in Mathematics of a recognised University or equivalent, with at least 3 years teaching/research/development. Or Doctorate degree in Mathematics.

**13. Seven Assistant Managers (On Probation)/Chemist, Ministry of Defence.** Pay.—Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Must have obtained Master's Degree in Chemistry or Applied Chemistry or Industrial, Chemistry or Chemical Technology or Bachelor's Degree in Chemical Engineering from a recognised University or its equivalent. (ii) Must have about 3 years' experience in Chemical Industry or Research and Laboratory work connected with manufacture of Chemicals.

**14. Two Workshop Officers Class I, Corps of Electrical & Mechanical Engineer, Ministry of Defence.** Pay.—Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Metallurgical Engineering of a recognised University. (ii) About two years' professional experience.

**15. One Fisheries Development Officer, Andaman & Nicobar Islands.** Pay.—Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) At least Second Class Master's or equivalent Honours Degree in Zoology of a recognised University. (ii) About 2 years' experience of Marine fishing either in a Central or State Fisheries Development.

#### CORRIGENDUM

**Two Senior School Inspectors Municipal Corporation of Delhi.** Reference item No. 14 of Commission's advertisement No. 29 published on 21st July 1973. It is notified for general information that of the two posts advertised, one is reserved exclusively for a Scheduled Caste candidate and the other unreserved and this post is further reserved for a female candidate only. Other conditions remain unchanged. Closing date for receipt of fresh applications from female candidates extended to 4th March, 1974 (18th March, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Female candidates who had already applied in response to Commission's Advertisement No. 29 need not apply again.

**A. C. BANDYOPADHYAY**  
Secretary,  
Union Public Service Commission.